सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 142 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 07 मार्च 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

खास-खबर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सीएम साय करेंगे लखपति दीदियों से संवाद

रायपुर। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के तहत छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' की ओर से 7 मार्च को रायपुर के इंडोर स्टेडियम में 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें सीएम विष्णुदेव साय शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा करेंगे। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर प्रदेश भर से हजारों लखपति दीदियां कार्यक्रम में भाग लेंगी। मुख्यमंत्री साय इन महिलाओं से संवाद करते हुए उनकी सफलता की कहानियां सुनेंगे और शासन की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से उनके जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की जानकारी प्राप्त करेंगे। यह कार्यक्रम महिलाओं के आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को साझा करने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा।

मार्च की शुरुआत में ही बढ़ने लगी गर्मी, रायपुर में पारा 38 डिग्री के करीब

रायपुर। छत्तीसगढ़ में मार्च महीने की शुरुआत के साथ ही गर्मी का असर धीरे-धीरे तेज होने लगा है। दिन में तेज धूप और साफ आसमान के कारण तापमान में लगातार बढ़ोतरी दर्ज की जा रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार राज्य में शुक्रवार को पूरे दिन मौसम शुष्क रहा और किसी भी जिले में बारिश दर्ज नहीं की गई। राजधानी रायपुर में अधिकतम तापमान 37.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से करीब 4.5 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 21.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 2.8 डिग्री ज्यादा रहा। तापमान में बढ़ोतरी के कारण दोपहर के समय गर्मी का असर साफ महसूस किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक रायपुर में सुबह 8:30 बजे आर्द्रता 59 प्रतिशत दर्ज की गई, जबकि शाम 5:30 बजे यह घटकर 24 प्रतिशत रह गई। पूरे दिन आसमान साफ रहा और औसत हवा की गति करीब 4 किलोमीटर प्रति घंटा दर्ज की गई, जिससे गर्मी का प्रभाव और बढ़ गया।

विनायक ताम्रकर भाजपा से निलंबित

भिलाई। दुर्ग जिले के समोदा में अफीम की खेती का मामला सामने आने व इसमें भाजपा राईस मिल प्रसंस्करण प्रकल्प किसान मोर्चा के प्रदेश संयोजक विनायक ताम्रकर का नाम आने पर पार्टी ने कार्रवाई की है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष किरण सिंह देव जी ने आपको उपरोक्त कृत्य के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

इरान-इस्राइल युद्ध का दिखा असर : 60 रुपए बढ़े घरेलू एलपीजी के दाम, कमर्शियल के दाम भी बढ़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में लंबे समय बाद वृद्धि की गई है। शनिवार 7 मार्च से घरेलू एलपीजी के दाम में 60 रुपए की वृद्धि कर दी गई है। देश भर में 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए की बढ़ोतरी हुई है।

इसके साथ ही छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर सहित भिलाई दुर्ग में 984.50 हो गया है। एक दिन पहले तक इसकी दरें 924.50 रुपए थी। वहीं 19 किलोग्राम के व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत में भी आज से 115 रुपये की वृद्धि की गई है। जिससे होटल, रेस्तरां और छोटे व्यावसायिक प्रतिष्ठानों जैसे व्यवसायों पर असर पड़ेगा।

बढ़ोत्तरी के बाद देशभर में यह हैं दाम

छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के अलावा देश की राजधानी दिल्ली में 14.2 किलोग्राम के घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमत 853 रुपये से बढ़कर 913 रुपए हो गई है। मुंबई में, घरेलू एलपीजी सिलेंडर की नई दर अब 852.50 रुपए से बढ़कर 912.50 रुपये हो गई है। कोलकाता में, कीमत 879 रुपये से बढ़कर 0.30 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यह 868.50 रुपये से बढ़कर 928.50 रुपये हो गई है। संशोधित दरें आज से तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। यह वृद्धि व्यवसायों द्वारा उपयोग किए जाने वाले व्यावसायिक एलपीजी सिलेंडरों पर भी लागू होती है। दिल्ली में 19 किलोग्राम के व्यावसायिक सिलेंडर की कीमत 1768.50 रुपये से बढ़कर 1883 रुपये हो गई है। मुंबई में यह कीमत 1720.50 रुपये से बढ़कर 1835 रुपये हो गई है। इसी तरह, कोलकाता में यह कीमत 1875.50 रुपये से बढ़कर 1990 रुपये हो गई है, जबकि चेन्नई में यह 1929 रुपये से बढ़कर 2043.50 रुपये हो गई है।

दुर्ग के समोदा में मक्के की आड़ में हो रही थी अफीम की खेती, पुलिस व प्रशासन की रेड

वाट्सएप पर आई एक फोटो से हुआ खुलासा, गांव के सरपंच की शिकायत पर पहुंची पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में अफीम की खेती किए जाने का मामला सामने आया है। जेवरा सिरसा थाना क्षेत्र के समोदा गांव में अफीम की खेती किए जाने की सूचना मिलने के बाद प्रशासन व पुलिस की टीम ने संयुक्त रूप से रेड की कार्रवाई की। ग्राम समोदा में मधुमति ताम्रकार और प्रीति बाला ताम्रकर के खेत में अफीम की खेती की जा रही थी। यहां ऊपर से मक्का और बीच में अफीम साथ में बोई गई। इतने बड़े पैमाने पर अफीम की खेती से जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन सकते में हैं। फिलहाल खेत के मालिक विनायक ताम्रकर व यहां खेती करने वाले राजस्थानी व्यक्तियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

दरअसल अफीम की खेती का जानकारी गांव के सरपंच अरुण गौतम को वाट्सएप पर एक फोटो देखकर शक हुआ। इसके बाद गूगल मैप से

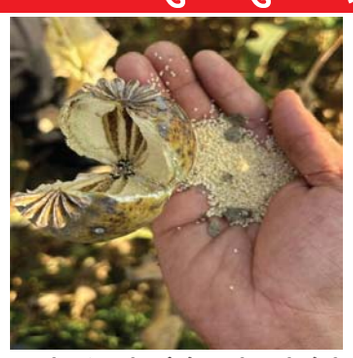

इसकी जांच की गई तो अफीम की खेती की पुष्टि हुई। 5 मार्च को सरपंच के माध्यम से जेवरा चौकी में सूचना दी गई और फोटो भी भेजे गए। सरपंच ने पुलिस को बताया कि मक्के की फसल की आड़ में अफीम की खेती की जा रही थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस व प्रशासन की टीम ने रेड की। शुक्रवार को रात होने के कारण जांच रोकी गई है। शनिवार को फिर से खेत की जांच शुरू की गई।

दो एकड़ में अफीम की खेती

पुलिस के अनुसार ग्राम समोदा और झेंजरी के पास स्थित खसरा नंबर 310 की यह जमीन मधुमति ताम्रकार और प्रीति बाला ताम्रकर की है। कुल 9 एकड़ 92 डिसमिल जमीन पर खेती हो रही है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो पाया कि डेढ़ से दो एकड़ जमीन पर अफीम की फसल है। 4 से 5 एकड़ में मक्के की फसल लगी हुई है और इसके बीच अफीम की खेती की जा रही थी। पुलिस को मक्के की फसल के बीच अफीम के पौधे लगे मिले। इसके बाद पुलिस ने मौके पर तहसीलदार और आरआई को बुलाया। इसके बाद कलेक्टर और प्रशासन की टीम भी खेत में पहुंची। खेत में लगी फसल का निरीक्षण किया गया और सैंपल इकट्ठे किए गए

सरपंच ने कहा फोटो से मिली जानकारी

समोदा गांव के सरपंच अरुण गौतम ने बताया कि यह जमीन विनायक और बृजेश ताम्रकार की है। उनके परिवार के कई लोगों के नाम पर यह जमीन दर्ज है। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले ही उन्हें इसकी जानकारी मिली थी, जिसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। वहीं इस मामले में विनायक ताम्रकर का का कहना है कि जमीन अधिया में खेती के लिए दी गई थी। प्रीतिबाला ताम्रकर और मधु बाला ताम्रकर के खेत में राजस्थानी लोग चोरी-छिपे अफीम की खेती कर रहे थे मामले की जांच पुलिस विभाग की ओर से की जा रही है। उन्हें अफीम की खेती की जानकारी नहीं थी।

जांच के बाद होगा खुलासा

इस मामले में दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि समोदा गांव में अफीम की खेती की सूचना मिली। जांच के दायरे में आने वाले कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पुलिस पूछताछ कर रही है। जांच पूरी होने के बाद ही मामले का पूरा खुलासा हो सकेगा।

छत्तीसगढ़ की दो राज्यसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों ने भरा नामांकन

कांग्रेस से फूलो को फिर से मौका, भाजपा से लक्ष्मी वर्मा प्रत्याशी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राज्य में अप्रैल में खाली हो रही राज्यसभा की 2 सीटों के लिए भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों ने नामांकन भर दिया है। कांग्रेस ने राज्यसभा सदस्य फूलो देवी नेताम को रिपीट किया है जबकि भाजपा ने लक्ष्मी वर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है।

लक्ष्मी वर्मा पार्षद से लेकर जिला पंचायत अध्यक्ष तक का पद संभाल चुकी हैं। पहली बार उन्हें राज्यसभा का टिकट दिया गया है। राज्यसभा की दोनों सीटें अभी कांग्रेस के खाते में है, लेकिन विधानसभा चुनाव में केवल 35 सीटें जीतने के कारण एक सीट भाजपा के खाते में जा रही है।

विधानसभा में सीटों के गणित के हिसाब से राज्यसभा की दो सीटों में एक-एक सीट भाजपा और कांग्रेस के खाते में जाना लगभग तय है। भाजपा की विधानसभा में 54 सीटें हैं। राज्यसभा के लिए 31 वोट होना अनिवार्य है। इस लिहाज से भाजपा के लिए एक सीट हासिल करना आसान है लेकिन दोनों सीटें जीतना मुश्किल है। दोनों सीटों के लिए 62 वोट हासिल करना होगा। दूसरी ओर कांग्रेस की विधानसभा में 35 सीटें होने के कारण एक सीट जीतना मुश्किल नहीं होगा। गौरतलब है कि अप्रैल में राज्यसभा सदस्य केटीएस तुलसी और फूलो देवी नेताम का कार्यकाल खत्म हो रहा है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के हेलीकॉप्टर में टेकऑफ के बाद भर गया धुआं, पायलट ने कराई इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को एक बड़े हादसे से बाल-बाल बच गए। उनके हेलीकॉप्टर में उड़ान भरने के कुछ ही सेकेंड बाद तकनीकी खराबी आ गई, जिसके चलते उसमें धुआं भरने लगा। स्थिति को देखते हुए पायलट ने तुरंत अमौसी एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग कराई।

डिप्टी सीएम को सुबह करीब 11:30 बजे कौशाम्बी पहुंचना था, जहां पार्टी पदाधिकारियों और विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक प्रस्तावित थी। इसके अलावा उन्हें विभिन्न विकास परियोजनाओं का निरीक्षण भी करना था। वह ला-माटीनियर ग्राउंड से हेलीकॉप्टर से रवाना हुए थे। उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी

के कारण हेलीकॉप्टर में धुआं फैलने लगा। पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत अमौसी एयरपोर्ट पर सुरक्षित लैंडिंग कराई। समय रहते हेलीकॉप्टर को उतार लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। डिप्टी सीएम पूरी तरह सुरक्षित हैं।

धान के बोरों पर डाला पानी, रायपुर में 4 कर्मचारी बर्खास्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के आरंग स्थित भलेरा के धान खरीदी केंद्र में रखे धान पर मोटर पंप से पानी डालने का मामला सामने आया है। इसका एक वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। वीडियो सामने आने के बाद ग्रामीणों ने जमकर हंगामा मचाया। ग्रामीण दोषियों पर कार्रवाई के लिए धरने पर बैठ गए।

विरोध प्रदर्शन को देखते हुए कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर जांच समिति बनाई गई। जांच में धान में नमी मिलने की पुष्टि हुई और यह कृत्य छत्तीसगढ़ शासन की धान उपार्जन नीति 2025ङ्क26 के नियमों के खिलाफ पाया गया।

जांच रिपोर्ट में समिति के प्रभारी प्रबंधक विष्णु साहू, लिपिकीय सहायक उमेश कुमार साहू, प्रोसेस सर्वर इंदरमन निषाद और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी जितेंद्र साहू की लापरवाही सामने आई है। प्रशासन ने मामले को गंभीर मानते हुए चारों कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें सेवा से बर्खास्त कर दिया है।

एफआईआर दर्ज करने के निर्देश

इस पूरे विवाद की शुरुआत एक वायरल वीडियो से हुई। जिसमें दिन के समय एक कर्मचारी धान के बोरों पर मोटर पंप और पाइप के सहारे पानी डालता हुआ दिखाई दिया। वह एक-एक करके सैकड़ो धान के बोरों को भींगा रहा था। जांच व भौतिक सत्यापन के दौरान लगभग 10,500 बोरी धान नमी से प्रभावित पाई गई, जिसका मौके पर पंचनामा तैयार किया गया। जांच पूरी होने के बाद उप आयुक्त सहकारिता ने मामले में संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ एफ आईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए हैं।

अमेरिका ने इरान के 3000 ठिकानों पर बरपाया कहर

इरान पर नहीं रुकेंगे हमले, 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' तेज

नईदिल्ली ए.। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने ईरान के खिलाफअपने सैन्य अभियान को और तेज कर दिया है। मिलिट्री कमांड ने पुष्टि की है कि पिछले एक हफ्ते में ईरान के अंदर हजारों ठिकानों पर हमले किए गए हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी एक बयान में कमांड ने इस मिशन की जानकारी दी। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने कहा कि ऑपरेशन के पहले हफ्ते में ही 3,000 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

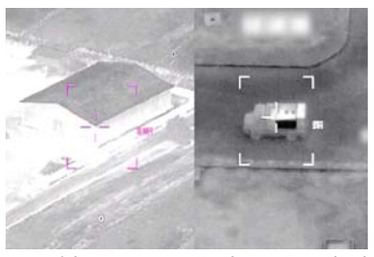

उन्होंने यह भी कहा कि वे अपनी कार्रवाई धीमी नहीं कर रहे हैं। इस सैन्य वृद्धि के साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को ईरान से बिना शर्त आत्मसमर्पण की मांग की। ट्रंप ने जोर दिया कि अमेरिका और उसके सहयोगी, खासकर इस्राइल, ईरान के नेतृत्व बदलने के बाद ही किसी समझौते पर विचार करेंगे। उन्होंने 'मेक ईरान ग्रेट अगेन' का नारा भी दिया। ट्रंप ने कहा कि आत्मसमर्पण के बाद वे ईरान को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने में मदद करेंगे। ये घटनाक्रम 28 फरवरी को हुए अमेरिका-इस्राइल के संयुक्त सैन्य हमले के बाद आए हैं। इस हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई और अन्य वरिष्ठ नेता मारे गए थे। इसके जवाब में ईरान ने कई अरब देशों में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और इस्राइली संपत्तियों पर ड्रोन व मिसाइल हमले किए।

छत्रपति हत्याकांड में गुरमीत राम रहीम बरी

पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या का मामला

नईदिल्ली ए.। छत्रपति हत्याकांड मामले में डेरा मुखी को बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने उन्हें इस मामले से बरी कर दिया। हालांकि अन्य तीन दोषियों कुलदीप, निर्मल और किशन लाल की सजा बरकरार रखी गई है। इन सभी को इस मामले में सीबीआई अदालत ने दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

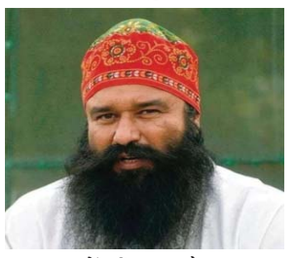

बता दें सिरसा के पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की 24 अक्तूबर 2002 को उनके घर के बाहर गोली मार दी गई थी। 21 नवंबर को उनकी मौत हो गई। इस मामले में कोर्ट ने इसे सुनियोजित साजिश करार देकर राम रहीम, कुलदीप सिंह, निर्मल सिंह और कृष्ण लाल को दोषी करार दिया। गुरमीत राम रहीम ने 2019 के फैसले के खिलाफ अपील दायर की थी। इसमें आज हाईकोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। गुरमीत राम रहीम दो साध्वियों के साथ दुष्कर्म मामले में 20 साल की सजा काट रहे हैं। वे वर्तमान में रोहतक की सुनारिया जेल में बंद हैं।

25 मार्च से 6 अप्रैल तक होगा खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़-2026

रायपुर सहित तीन शहरों में जोर लगाएंगे खिलाड़ी

युवा शक्ति को नई उड़ान देगा 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026' - मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने और जनजातीय अंचलों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़-2026' का आयोजन 25 मार्च से 06 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर, सरगुजा और बस्तर के खेल मैदानों में होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक लेकर इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि युवा ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं। राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 न केवल वनांचल के खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को पहचान देने का मंच बनेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी सिद्ध होगा।

भारत सरकार ने प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की मेजबानी छत्तीसगढ़ को दी गई है। इसमें कुल 7 प्रतिस्पर्धात्मक और 2 प्रदर्शनात्मक खेल आयोजित किए जाएंगे। रायपुर में तीरंदाजी, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, स्वीमिंग और कबड्डी (डेमो), सरगुजा में कुश्ती एवं मलखम्ब (डेमो) तथा बस्तर में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इस प्रतियोगिता में देश के लगभग 30 राज्यों से करीब 2500 खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे। मुख्यमंत्री साय ने बैठक में कहा कि खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही मलखम्ब खिलाड़ियों को एक लाख रुपए की विशेष प्रोत्साहन राशि दी जाएगी तथा अमेरिका गॉट टैलेंट में चयनित मलखम्ब खिलाड़ी अनतई पोटाई के अमेरिका आने-जाने का पूरा व्यय राज्य सरकार वहन करेगी।

संपादकीय

चेतना रंगते रंग

तन-मन भिगोकर उल्लास रचता पर्व

पर्व-त्योहारों की धरा भारत में, ऋतुचक्र में बदलाव के साथ सामूहिक उल्लास का पर्व होली, ऐसे वक्त पर आता है जब प्रकृति भी मुस्करा रही होती है। शीत ऋतु की विदाई से जीवन की जड़ता दूर हो रही होती है। खेतों में खिली सरसों और आम्र मंजरियों की महक मन को आह्लादित कर रही होती है। कोयल की कूक हमें ऋतु परिवर्तन का संदेश दे रही होती है। पूरे वातावरण का उल्लास हमारी चेतना को कुदरती रंगों से सराबोर कर रहा होता है। ऐसे परिवेश में होली से उपजा समरसता का रंग हमारी चेतना को रंगता है। होलिका दहन का संदेश यही है कि कलुष की अग्नि में हमारे मन की नकारात्मकता भस्म हो जाती है। नकारात्मकता की राख के बाद ही फाग के रंग रंगत दिखाते हैं। सही मायने में हिरण्यकश्यप प्रतीक है अन्याय,अहंकार और दंभ का। जिसका अंत निश्चित है। वहीं प्रह्लाद पर्याय है सत्य, समानता और समरसता का। जो अग्नि की कसौटी में नई आभा के साथ बाहर आते हैं। वास्तव में हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद हर हृदय में विद्यमान हैं। ये हमारी सोच, संस्कार और दृष्टि से ही पुष्पित-पल्लवित होते हैं। होली का पर्व हमें रंगों में रंगकर समता का समाज रचता है। जहां कोई ऊंचा-नीचा, बड़ा-छोटा, अमीर-गरीब और गोरा-काला नहीं होता। ये रंग हमारी चेतना से विभेद के सभी कारक हटाकर, मैं से हम की ओर उन्मुख करते हैं। f???r हम सहजता व सरलता के भाव से परिपूर्ण होते हैं। हम तमाम कृत्रिमताओं से मुक्त हो, एक दिन स्वच्छंद मन से जीना चाहते हैं। हम तमाम वर्जनाओं को त्यागकर एक बच्चे की मानिंद मौलिक रूप में मनुष्य हो जाना चाहते हैं। कहीं न कहीं हमारी चेतना मानवता के उच्च स्तर को छूती है। जो प्रकृति के उल्लास और मौसम की उमंग से आह्लादित होती है। हमारा मन स्क्रीन के आभासी टच से निकलकर जीवन के वास्तविक स्पर्श का सुख को हासिल करने को उद्वेलित होता है।

> “ वास्तव में हिरण्यकश्यप और प्रह्लाद हर हृदय में विद्यमान हैं। ये हमारी सोच, संस्कार और दृष्टि से ही पुष्पित-पल्लवित होते हैं। होली का पर्व हमें रंगों में रंगकर समता का समाज रचता है। जहां कोई ऊंचा-नीचा, बड़ा-छोटा, अमीर-गरीब और गोरा-काला नहीं होता। ये रंग हमारी चेतना से विभेद के सभी कारक हटाकर, मैं से हम की ओर उन्मुख करते हैं। फिर हम सहजता व सरलता के भाव से परिपूर्ण होते हैं। हम तमाम कृत्रिमताओं से मुक्त हो, एक दिन स्वच्छंद मन से जीना चाहते हैं। हम तमाम वर्जनाओं को त्यागकर एक बच्चे की मानिंद मौलिक रूप में मनुष्य हो जाना चाहते हैं।

सही मायनों में रंगमय होना भी हमें हल्का करता है। ये हल्कापन होली बीत जाने के बाद भी महसूस होता है। दरअसल, आपाधापी के जीवन में हमने इतनी कृत्रिमताएं ओढ़ ली हैं कि जीवन सुख वास्तव में क्या है, हम उसे भोगने से वंचित हो गए हैं। हमारे आस-पड़ोस में संवाद न के बराबर हो गए हैं। हम समाज में विविधता व समावेशी भाव से दूर चले गए हैं। लेकिन जब होली का त्योहार हमें सारी वर्जनाओं से परे वास्तविक जीवन का अहसास कराता है तो हम हल्का महसूस करने लगते हैं। हकीकत यह है कि हमारे समाज में तेजी से बढ़ते मनोकायिक रोगों के मूल में हमारा सहज-सरल जीवन का न जीना है। पर्व-त्योहारों पर जब हम सामूहिक उत्सवों का हिस्सा बनते हैं, तो समरसता का समाज रचा जाता है। एक ताजगी का अहसास करते हैं हम। दरअसल, हमारे जीवन में पैदा होने वाले तनाव की मूल वजह हमारा समाज से अलगाव ही है। संयुक्त परिवारों के बारे में कहा जाता रहा है कि माता-पिता एक ढाल के रूप में हमारे जीवन के उतार-चढ़ावों को झेल लेते थे। संयुक्त परिवार में सुख-दुख का बांट कर रहना हमें कई तरह के तनावों से मुक्त रखता था। यही स्थिति हमारे सामाजिक जुड़ाव के रूप में परिलक्षित होती है। होली की सामूहिकता में समावेशिता का भाव पर्व को चेतना के उत्सव में बदल देता है। दरअसल, होली के रंग केवल हमारे शरीर को ही नहीं छूते, बल्कि हमारे सुकोमल अहसासों को भी छूते हैं। ऋतुराज वसंत इन आत्मीय अहसासों को और समृद्ध करता है। प्रकृति का सौंदर्य इस सुकून को और गहरा करता है। एक तरफ कुदरत की चित्रकारी तो दूसरी तरफ होली के रंग वातावरण को सम्मोहक बना देते हैं। यही इस पर्व का मर्म भी है। यही कारण है कि सामूहिकता व समरसता के इस पर्व को समाज का सेफ्टीवॉल भी कहा जाता है। जो हमारे तनाव, घुटन व कुंठाओं को दूर करके हमें हल्का-फुल्का होने का अहसास कराता है। प्रकृति में परिवर्तन के दौर में आने वाले इस त्योहार की यही खासियत है कि रंग हमें बाहर से ही नहीं बल्कि हमारे अंतर्मन को भी रंगते हैं।

किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं के लिए जनऔषधि परियोजना का रणनीतिक विकास

जन औषधि सस्ती भी, भरोसेमंद भी, सेहत की बात, बचत के साथ

जगत प्रकाश नड्डा

किसी राष्ट्र की प्रगति का असली पैमाना अक्सर इस बात से परिलक्षित होता है कि उसके नागरिक स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी आवश्यकताओं तक कितनी आसानी से पहुँच सकते हैं। दशकों तक, भारत के लाखों लोगों के स्वास्थ्य और आरोग्य के लिए दवाओं की उच्च लागत एक प्रमुख वित्तीय बाधा रही है। इस संदर्भ में, प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी), प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं को उनके ब्रांडेड समकक्षों की तुलना में काफी कम कीमत पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई पहल है। यह परियोजना सार्वजनिक स्वास्थ्य देखभाल में एक महत्वपूर्ण कमी को दूर करके एक व्यापक और व्यवस्थित परिवर्तन लाने में सफल रही है।

वैश्विक स्तर पर, जेनेरिक दवाइयाँ सुलभ स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों की मूलभूत आधारशिला हैं। विश्व भर में चिकित्सकों द्वारा दी जाने वाली कुल दवाइयों में इनकी हिस्सेदारी लगभग 80ङ्क90ल है और इसने आवश्यक दवाओं तक पहुँच बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यद्यपि जेनेरिक दवाइयाँ पैकेज, लेबल और निष्क्रिय अवयव की दृष्टि से भिन्न हो सकती हैं, लेकिन अध्ययनों से पता चला है कि ये अंतर उनके चिकित्सीय प्रभाव पर असर नहीं डालते हैं। खुराक, सुरक्षा, क्षमता, गुणवत्ता और लक्षित उपयोग के संदर्भ में जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड दवाओं की समकक्ष हैं तथा उत्पादन और गुणवत्ता के कठोर मानकों का समान रूप से पालन करती हैं।

पीएमबीजेपी केवल एक खुदरा-बिक्री कार्यक्रम नहीं है; यह भारत की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के संरचनात्मक सशक्तिकरण को दर्शाता है। यह इस साल के जनऔषधि सप्ताह के थीम में परिलक्षित होता है, फ्जन औषधि सस्ती भी, भरोसेमंद भी, सेहत की बात, बचत के साथफ्, यह थीम लाखों लाभार्थियों के साथ गहराई से प्रतिध्वनित होती है। 18,000 से अधिक जनऔषधि केंद्रों के तेजी से बढ़ते नेटवर्क के माध्यम से, योजना ने सुनिश्चित किया है कि दवाइयाँ बाजार दरों की तुलना में 50ल से 80ल तक की कम कीमतों पर उपलब्ध हों और सभी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि वाले परिवारों को समर्थन प्रदान करती हों। क्षेत्र सर्वेक्षणों से पता चला है कि लाभार्थी लागत बचत और दवाइयों तक बेहतर पहुँच की सराहना करते हैं।

योजना का पैमाना इसके उत्पाद संग्रह से भी परिलक्षित होता है। जनऔषधि 2,110 दवाओं और 315 सर्जिकल उत्पादों का विस्तृत संग्रह पेश करता है, जो 29 विभिन्न चिकित्सीय क्षेत्रों को शामिल करती है। भारतीय औषधि एवं चिकित्सा उपकरण ब्यूरो (पीएमबीआई) के प्रत्यक्ष देखरेख में, संग्रह का विस्तार एक गतिशील, डेटा-संचालित प्रक्रिया है, जिसमें बाजार विश्लेषण, हितधारकों की भागीदारी और एक समर्पित विशेषज्ञ समिति की कठोर निगरानी शामिल हैं। इससे सुनिश्चित होता है कि योजना देश की बदलती स्वास्थ्य आवश्यकताओं और औषधीय मांगों के अनुरूप विकसित होती रहे।

कठोर नियामक निरीक्षण के साथ, भारतीय दवा कंपनियां 200 से अधिक देशों के लिए भरोसेमंद आपूर्तिकर्ता बन गई हैं, जिसमें अमेरिका, यूके और यूरोपीय संघ जैसे अत्यधिक विनियमित बाजार भी शामिल हैं। भारतीय दवा कंपनियां लैटिन अमेरिका, अफ्रीका और पूर्वी यूरोप जैसे उभरते बाजारों में भी विस्तार कर रही हैं।

यह उद्योग जैविक दवाओं के समान दवाओं (बायोसिमिलर), जैविक दवाओं के जेनेरिक प्रतिरूपों पर भी ध्यान केंद्रित कर रहा है, साथ ही जटिल जेनेरिक और विशेष दवाओं का उत्पादन करने के लिए अनुसंधान और विकास में भी अधिक निवेश कर रहा है। ये दूरदर्शी कार्यक्रम भारत को न केवल एक वैश्विक उत्पादन केंद्र के रूप में, बल्कि किफायती दवाओं के क्षेत्र में भविष्य के नवाचार अग्रणी देश के रूप में भी स्थापित करते हैं।

गुणवत्ता बनाम मूल्य पर बहस कभी-कभी सार्वजनिक धारणा को प्रभावित करती है। एक बहु-स्तरीय गुणवत्ता आश्वासन व्यवस्था के माध्यम से,पीएमबीजेपी ने इस मिथक को प्रभावी ढंग से तोड़ दिया है कि किफायती होना निर्माण मानकों में समझौते का संकेत देता है। दवाइयाँ डब्ल्यूएचओ-जीएमपी प्रमाणित निर्माताओं से खरीदी जाती हैं, जो वैश्विक उत्पादन मानकों का पालन सुनिश्चित करती हैं। नियम निर्धारित करते हैं कि फार्मेसी की शेल्फ तक पहुंचने से पहले दवा के हर बैच का राष्ट्रीय परीक्षण और अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) द्वारा स्वीकृत प्रयोगशालाओं में सख्त सत्यापन होना आवश्यक है। ये दवाइयाँ औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के नियमों का पालन करती हैं और ब्रांडेड विकल्पों के सुरक्षा और प्रभावशीलता मानकों के अनुरूप हैं। गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खरीद से पहले सावधानीपूर्वक समीक्षा की जाती है और खरीद के बाद प्रयोगशाला में परीक्षण किया जाता है। परियोजना की कार्यान्वयन एजेंसी, पीएमबीआई नियमित रूप से दवाओं की गुणवत्ता की निगरानी और समीक्षा करती है, ताकि स्थापित विनियमों के पालन में कोई कोताही न होना सुनिश्चित किया जा सके।

एक आईटी-संचालित वितरण नेटवर्क, जिसे पांच अत्याधुनिक भंडार गृहों और देशभर के में 41 विशेष वितरकों का समर्थन प्राप्त है, ने सुनिश्चित किया है कि आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के खिलाफ सुदृढ़ बनी रहे।

तीन स्तंभों – पहुँच, गुणवत्ता और सस्ती कीमत – पर ध्यान केंद्रित करके, पीएमबीजेपी ने लाखों लोगों के चिकित्सा खर्च को काफी हद तक कम कर दिया है। निरंतर संस्थागत समर्थन, लोगों की बढ़ती जागरूकता और अवसंरचनात्मक सुधारों के साथ, हर जिले में जनऔषधि केंद्र का सपना अब दूर की आकांक्षा नहीं, बल्कि यह ठोस रूप ले चुका है और वास्तविकता के करीब है।

'विकसित भारत ङ्क2047' दृष्टि के तहत मुख्य ध्यान इस बात पर है कि हर किसी के लिए एक सुदृढ़, न्यायसंगत और किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रणाली बनाई जाए। इसमें बेहतर अस्पताल, कम चिकित्सा खर्च, उपचार तक आसान पहुंच और सस्ती दवाओं की उपलब्धता शामिल हैं। बहु-क्षेत्रीय सहयोगों के जरिये, पीएमबीजेपी ने यह साबित किया है कि सही संस्थागत दृष्टि के साथ, स्वास्थ्य सेवा उच्च गुणवत्ता युक्त और सार्वभौमिक रूप से सुलभ दोनों हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि यह परियोजना प्रगति करती रहे और किफायती स्वास्थ्य सेवा के वैश्विक मॉडल के रूप में अपनी स्थिति को निरंतर बनाए रखे।

(लेखक केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और रसायन एवं उर्वरक मंत्री हैं)

निजी आजादी संग पारिवारिक मूल्य अक्षुण्ण रहें

डॉ सुधीर कुमार

भारतीय पारिवारिक विधि और सामाजिक ढांचा आज एक चौराहे पर है, जहां 'पवित्रता' के प्रतिमानों की जगह 'समानता' की चुनौतीपूर्ण परिभाषाएं गढ़ी जा रही हैं। जो विवाह कभी सात जन्मों का 'संस्कार' था, आज महानगरीय संस्कृति की चकाचौंध में उसका आध्यात्मिक आवरण उतर चुका है। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा शिवांगी बंसल बनाम साहिब बंसल (2025) में दिया गया हालिया निर्णय महज़ एक कानूनी विवाद नहीं, बल्कि समकालीन रिश्तों का वह आईना है जहां 'जज़्बात और त्याग' के पारंपरिक मूल्यों पर 'अधिकार और व्यक्तिगत स्वायत्तता' हावी दिखे हैं।

शिवांगी-साहिब विवाद महज़ एक गृह-कलह नहीं, बल्कि महानगरों के उस 'क्लब कल्चर' का आईना है जहां रिश्ते इंस्टाग्राम रील की तरह चमकते तो हैं, पर हकीकत में कांच जैसे क्षरणशील होते हैं। साहिब द्वारा पत्नी के देर रात तक बाहर रहने को 'क्रूरता' बताना नियंत्रण चाहने वाली पितृसत्तात्मक मानसिकता का पर्याय है। वहीं, शिवांगी की दलीलें नारीवादी चेतना का प्रतीक हैं जो वैवाहिक रिश्ते हेतु अपनी स्वतंत्रता से समझौते को तैयार नहीं। टकराव दर्शाता है कि रिश्तों की बुनियाद अब 'शुचिता' के बजाय 'स्वच्छंद जीवन' और व्यक्तिगत पहचान पर टिकी है।

कानूनी परिप्रेक्ष्य से मामले में न्यायपालिका का रुख विधिक विद्वानों के लिए एक मील का पत्थर साबित हुआ है। न्यायालय ने समाजशास्त्र के प्रसिद्ध विद्वान रोस्को पाउंड के 'सोशल इंजीनियरिंग' सिद्धांत का सूक्ष्मता से हवाला देते हुए प्रतिपादित किया कि कानून कोई जड़ या मृत वस्तु नहीं है जिसे समय के साथ बदला न जा सके। यदि समाज की संरचना-जीवनशैली में तीव्र परिवर्तन आ रहे हैं, तो 'क्रूरता' जैसी विधिक अवधारणा भी पुन: परिभाषित हो। न्यायालय ने प्रगतिशील स्वर में कहा कि किसी महिला की पसंदीदा जीवनशैली , बाहर या क्लब जाना इसलिए 'मानसिक क्रूरता' या अपराध नहीं माना जा सकता क्योंकि वह एक 'पत्नी' है। निर्णय उस मानसिकता पर प्रहार है जो संस्कारों के नाम पर व्यक्तिगत समानता की राह में बाधक रहा है। न्यायालय ने अनुच्छेद 21 में प्राप्त 'निजता और व्यक्तिगत स्वतंत्रता' को वैवाहिक रिश्ते में भी अक्षुण्ण रखा है।

दरअसल, महानगरीय चकाचौंध की चकाचौंध में जिस 'समानता' की तलाश है, वह अक्सर मर्यादाहीन 'स्वच्छंदता' का रूप ले लेती है। फ्लत: समर्पण और वफ़ादारी को 'दकियानूसी' मानकर हाशिये पर धकेला गया है, जहां 'कमिटमेंट' से कहीं अधिक 'कम्फर्ट' और निजी सुख को प्राथमिकता दी जाती है। शिवांगी -साहिब का मामला सचेत करता है कि जब रिश्ते संवेदनाओं के बजाय केवल 'कानूनी अधिकारों' की जंग बन जाते हैं, तो संवाद खत्म हो जाता है। जब हम सिर्फ 'अधिकारों' की रट लगाते हैं और 'कर्तव्यों' को विस्मृत कर देते हैं, तो समानता का आदर्श खोखले अहंकार में बदल जाता है।

निस्संदेह, समाज में 'संस्कारों' की भूमिका पर एक दृष्टि की आवश्यकता है। संस्कारों का अर्थ दमन या दासता कभी नहीं था; बल्कि संस्कार वे नैतिक मूल्य थे जो एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति के प्रति संवेदनशील-उत्तरदायी बनाते थे। संस्कार ही रिश्तों को 'कॉन्ट्रैक्ट' बनने से रोकते हैं। कोई अनुबंध केवल लाभ-हानि पर टिका होता है, जबकि संस्कार त्याग-धैर्य पर। निस्संदेह, आधुनिकता के नाम पर जड़ों से कटने से हम उस स्थिति में होंगे, जहां व्यक्ति आज़ाद तो होगा, लेकिन पूर्णत: अकेला-असुरक्षित। आज़ादी का अर्थ उच्छृंखलता नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार व्यवहार है। सामूहिक पारिवारिक सुख जिसकी प्राथमिकता है।

बहरहाल, ऐसी चुनौतियों से निपटने को पहले अनिवार्य मध्यस्थता और मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग को कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा बनाना जरूरी है। अदालतों को सीधे मुकदमेबाजी के बजाय 'इगो ऑडिट' और विशेषज्ञों के जरिए संवाद पर जोर देना चाहिए, ताकि छोटे विवाद कानूनी पेचीदगियों में फंसकर बड़े हादसे न बनें। दूसरा बड़ा सुधार लैंगिक तटस्थता का होना चाहिए, जिसमें 'पर्सनल लॉ' को जेंडर न्यूट्रल बनाकर महिलाओं की सुरक्षा के साथ ही पुरुषों के खिलाफ कानूनों के दुरुपयोग को भी रोका जा सके। युवाओं के लिए 'प्री-मैरिटल लीगल एजुकेशन' अनिवार्य की जानी चाहिए, ताकि वे विवाह से जुड़े कानूनी अधिकारों, कर्तव्यों और असली-नकली प्रताड़ना के अंतर को समझ रिश्तों के प्रति अधिक परिपक्व और सजग बनें।

इक्विटी बनाम इक्वेलिटी के बीच का संतुलन भी समझना आवश्यक है। समानता का मतलब एक-दूसरे की फोटोकॉपी बनना या एक-दूसरे का प्रतियोगी होना नहीं है, बल्कि एक-दूसरे की विशिष्टता और गरिमा का सम्मान करना है। व्यक्ति का क्लब जाना उसका व्यक्तिगत चुनाव है, लेकिन यदि वह परिवार की बुनियाद को हिला रहा है, तो वहां 'संवाद और सामंजस्य' चाहिए, न कि कानूनी नोटिस। रिश्तों में 'समानता' की रोशनी जरूर हो, लेकिन उसमें 'संस्कारों और सम्मान' की खुशबू का बना रहना भी अनिवार्य है।

हालिया प्रसंग समाज के लिए बड़ा सबक है कि कानून हमें बराबरी-आज़ादी तो दे सकता है, लेकिन घर का 'सुकून' पैदा नहीं कर सकता। यदि हमने समानता की दौड़ में नैतिकता-जुड़ाव को छोड़ा, तो यह स्वतंत्रता हमें अकेलेपन व कानूनी विवादों की ओर ले जाएगी। रिश्ते महज 'कानूनी समझौता' नहीं हैं।

लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं।

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए बनी रहे शिक्षक की गरिमा

कृष्णा कुमार

वर्ष 1990 के दशक के मध्य में नई आर्थिक नीतियों से जो बड़ी उम्मीदें जगी थीं, उनमें से एक यह थी कि लाइसेंस-इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। शायद काम-धंधे की दुनिया में ऐसा हुआ भी, लेकिन शिक्षा जगत में, 'लाइसेंस' और 'इंस्पेक्शन', दोनों के, तौर-तरीके और मज़बूत हुए। स्कूल शिक्षा में, इंस्पेक्टर यानी निरीक्षक शब्द आम था और इस पद के कई स्तर थे।

महान हिंदी साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद ने 20वीं सदी की शुरुआत में 'सब-डिप्टी इंस्पेक्टर' के तौर पर काम किया। उनका आभार कि उन्होंने ब्रिटिश राज में विद्यालय निरीक्षण का क्या मतलब हुआ करता था, इसकी साफ निशानियां अपनी कहानियों में वर्णित की हैं। ऐसा नहीं कि निरीक्षक वाली भूमिकाएं और इंस्पेक्शन संस्कृति बीते ज़माने की हैं : वे आज़ादी और नई आर्थिक एवं शिक्षा नीति के बाद भी बची हैं। स्कूल निरीक्षण आज भी ऐसा आयोजन है, जिसमें जहां निरीक्षण करने वाला विभाग अपनी ताकत प्रदर्शित करता है वहीं स्कूल स्टाफ विनम्रता दिखाता है। उनके पास नर्मी दिखाने के अलावा कोई चारा भी नहीं।

निरीक्षण संस्कृति औपनिवेशिक काल के दिनों से नहीं बदली। हेडमास्टर को सुनिश्चित करना होता था कि स्कूल भवन साफ़-सुथरा दिखे, गलियारे में गमले सजे हों। बच्चों को होशियार और अध्यापकों को काम में खोए दिखना होता था। अगर कहीं छत में छेद होते, तो उन्हें चिथड़ों से या जो भी हाथ लगे, उससे ढांप दिया जाता था। अगर फ़र्श पर गड्ढे होते, तो

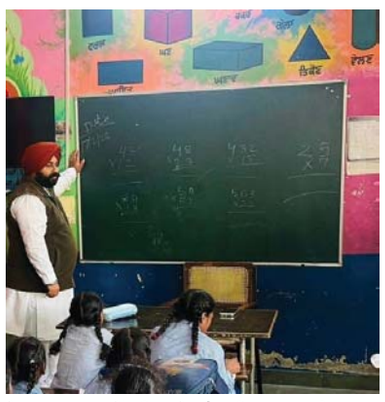

हेडमास्टर उन्हें छिपाने के लिए कालीन का इस्तेमाल करते थे। गांधीवादी शिक्षाशास्त्री मार्जोरी साइक्स, जो असल में एक ब्रिटिश नागरिक थीं, ने इस लेखक को बताया कि भारत में होने वाला विद्यालय निरीक्षण इंग्लैंड में निरीक्षण से एकदम उल्ट होता था। वहां हेडमास्टर छेदों के चारों ओर चॉक से गोले खिंचवा देते थे, ताकि सुनिश्चित हो कि वह इंस्पेक्टर की नज़रों में आ जाए और वह मरम्मत का काम करवाए। न कोई डर था, न असलियत छिपाने की ज़रूरत थी।

माना गया था कि उदारवाद की आमद से न केवल व्यापार बल्कि हर क्षेत्र में नौकरशाही कमज़ोर होने के साथ इंस्पेक्टर राज खत्म हो जाएगा। लेकिन शिक्षा क्षेत्र में, निरीक्षक राज उल्टा उच्च शिक्षा तक फैल गया। एक्रेडिटेशन (मानकीकरण) और रैंकिंग नई प्रथा के तौर पर शुरू किए गए, और उनकी वजह से निरीक्षण टीमों द्वारा यूनिवर्सिटी और कॉलेज निरीक्षण अनिवार्य हो गया। जब 'नैक' (नेशनल असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल) एक इंस्पेक्शन टीम भेजती है, तो कॉलेज व यूनिवर्सिटी के अधिकारी कैंपस सजा देते हैं, आगंतुक टीम को प्रभावित करने के लिए शानदार डेटा डिस्प्ले एवं खूबसूरत फ्लेक्स तैयार किए जाते हैं। इसके सदस्य 'अन्य तरीकों से अपनी तसल्ली' करवाए जाने की अपेक्षा रखते हैं -महज़ साफ-सुथरे शौचालयों और पौधे लगाने भर से नहीं। अगर टीम उच्चतम ग्रेड से कम की रैंकिंग देती है, तो बताए गए कारण अकसर असली कहानी नहीं होते। हर कोई जानता है कि संस्थान मुखिया आंगतुकों को खुश करने में नाकाम रहा।

द ट्रिब्यून की एक खबर दिखाती है कि विद्यालय निरीक्षण के दौरान और उसके बाद अध्यापकों को किन जोखिमों का सामना करना पड़ता है। पंजाब के शिक्षा मंत्री ने लुधियाना ज़िले के माछीवाड़ा में एक प्राथमिक विद्यालय का औचक निरीक्षण किया। उसके बाद संबंधित अध्यापकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। पूछा गया कि निरीक्षण के दौरान उनकी कक्षा के विद्यार्थी पंजाबी में लिखा क्यों नहीं पढ़ पाए और दिए गए गणित के आसान सवाल क्यों नहीं हल कर पाए? हम बीच-बीच में से चुने गए बच्चों के बारे में नहीं जानते। क्या वे पंजाबी भाषी परिवारों से थे, और वे कब से पंजाबी पढ़ना सीख रहे थे? किस किस्म की पठन सामग्री उपयोग की गई? अध्यापकों को किस किस्म के संस्थानों में प्रशिक्षण मिला? क्या बच्चे उस वक्त घबरा गए, जब अनजान लोगों ने उन्हें अचानक खड़े होकर ज़ोर से पढ़ने और गणित के सवाल हल करने के लिए कहा होगा?

ऐसे सवाल मंत्री की निरीक्षण टीम की नज़र से ओझल हैं। मुझे ज़रा संदेह नहीं कि इसके सदस्यों को पंजाब के डाइट यानी डिस्ट्रिक्ट इंस्टिट्यूट ऑफ़ एजुकेशन एंड ट्रेनिंग की दुर्दशा के बारे में पता नहीं होगा। यह ज़रूरी ढांचा था जो अध्यापन स्तर को बनाए रखता है। सर्व शिक्षा अभियान के तहत अन्य और कई ढांचे बनाए गए। वे भी अब खस्ताहाल हैं। वास्तव में, अध्यापक नीत शिक्षा व्यवस्था चरमरा गई है, निजी शिक्षा संस्थानों में तो हाजिरी भी ज़रूरी नहीं। निरीक्षण टीमों को ऐसी बारीकियों में कोई दिलचस्पी नहीं। उन्हें तो बस प्रदर्शन चाहिए- बच्चों का प्रदर्शन जो अध्यापकों की काबिलियत का सबूत दर्शाता हो।

माछीवाड़ा की कहानी में एक विडंबना यह है कि वह प्राथमिक विद्यालय 'स्मार्ट' स्कूलों की सूची में शामिल है। इस शीर्षक का मतलब है कि स्कूल इंटर-एक्टिव पेडागॉजी (दोतरफा संवाद से पढ़ाई) के लिए ज़रूरी डिजिटल उपकरणों से लैस है। पिछले एक दशक में डिजिटल उपकरणों पर आधिकारिक विश्वास तेज़ी से बढ़ा है। जिसे कोविड-19 महामारी ने और बढ़ाया। जो कोई बात यह साबित करे कि यह भरोसा सही नहीं, उसका विरोध किया जाता है- और ऐसा इसलिए नहीं कि स्मार्ट स्कूल परियोजना में काफी निवेश किया गया है।

डिजिटल उपकरण कक्षा को आधुनिक स्वरूप प्रदान करते हैं, जिससे अहसास होता है कि तरक्की बहुत हो रही है। यह अहसास सरकारी स्कूलों में एक प्रतीकात्मक उद्देश्य पूरा करने के लिए है। इस संदेश के दो मुख्य हिस्से हैं : पहला, कि सरकार शिक्षा स्तर को बेहतर बनाने के वास्ते फिक्रमंद है, और दूसरा, कि निजी और सरकारी स्कूलों के बीच का अंतर कम हो रहा है। यह संदेश शिक्षा में तकनीक के इस्तेमाल को सैद्धांतिक आभा प्रदान करता है। निजी एवं सरकारी विद्यालय, दोनों में, अध्यापन और शिक्षक-विद्यार्थी रिश्ते पर इसके असली असर पर बहुत कम ध्यान दिया गया है।

बच्चों की तकनीक की मदद से निरंतर परीक्षाओं ने असल अध्यापन को कमजोर किया। स्कूलों को चलाने वाली नौकरशाही मान कर चली थी कि निरंतर परीक्षा प्रणाली से अध्यापक अधिक चौकस एवं जिम्मेदार बनेंगे। यह गलत विचार था, हालांकि कागज़ों पर सही लग रहा था और नीति नियंताओं ने इसे उच्च गुणवत्ता पाने का शॉर्टकट समझ हाथों-हाथ लिया। वे अब भी यह नहीं देख पा रहे कि अध्यापकों की खुशी और गरिमा ही कक्षा में ईमानदार मेहनत की गारंटी है।

यह विचार कोई नया नहीं। चार दशक पहले, दार्शनिक डीपी चट्टोपाध्याय की अध्यक्षता वाले नेशनल टीचर कमीशन ने यह सब कुछ कहा था। रिपोर्ट में अध्यापकों को आत्मविश्वास से परिपूर्ण और सार्वभौमिक बनाने के लिए कई नीतियां सुझाई गई थीं। अध्यापक प्रशिक्षण को वास्तविकता और अर्थ देने के लिए इसकी सिफारिशों का उद्देश्य सोचने-समझने वाले टीचरों का एक समूह बनाना था, जो हर बच्चे को बेस्ट राह प्रदान करने को फैसले लेने में सक्षम हो।

आयोग की यह कीमती सलाह अब पूरी तरह से भुला दी गई है, हालांकि 2008 में न्यायमूर्ति जेएस वर्मा आयोग ने भी ऐसी ही सिफारिशें की थीं। और कुछ साल पहले, पंजाब सहित कई राज्यों में अध्यापकों की सार्वभौमिकता एवं क्षमता बढ़ाने के लिए उप-जिला स्तरीय ढांचे के रूप में 'इंस्पेक्शन राज' का एक विकल्प सामने आया था। आज यह सब खस्ताहाल हैं। स्पष्टत: नीतिगत प्रगति के चलते व्यवस्था चौपट हुई है और अध्यापकों में विरक्ति का भाव आ गया।

लेखक एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक हैं।

फागोत्सव

मस्तानों की आई टोली।
भीगा दामन भीगी चोली।।
रंग गुलाबी डालो साजन।
'सुषमा' होली है मनभावन।।

खेलूँगी मैं प्रियतम मेरे।
रंग लगाओ अब बहुतेरे।।
रंग बिरंगी होली आई।
दिलवालों में मस्ती छाई।।(1)

फ्गोत्सव की हो तैयारी।
राधा मोहन पर बलिहारी।।
भाँति-भाँति के रंग लगाओ।
ढोल नगाड़ा खूब बजाओ।।

फ्गुन ने अब रंग जमाया।
खुशियों का मौसम है लाया।।
मथुरा में फूलों की होली।
तिलक लगाते चंदन रोली।।(2)

सुषमा प्रेम पटेल, रायपुर

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

पिज्जा ऑर्डर में देरी पर भड़का ग्राहक, डॉमिनोज में तोड़फोड़

भिलाई। पिज्जा आउटलेट में ऑर्डर मिलने में देरी को लेकर ग्राहक ने जमकर हंगामा कर दिया। गुस्से में उसने कर्मचारियों से गाली-गलौज की और ऑर्डर लेने वाले मॉनिटर को तोड़ दिया। घटना का वीडियो सामने आया है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। मामला सुपेला थाना क्षेत्र का है। नेहरू नगर स्थित डोमिनोज पिज्जा आउटलेट के मैनेजर ढाकेश्वर कुमार (38) के मुताबिक गुरुवार रात ड्यूटी के दौरान नरेंद्र मानिकपुरी नाम का ग्राहक आउटलेट पहुंचा और ऑर्डर दिया। ऑर्डर मिलने में देरी होने पर वह भड़क गया। इस दौरान उसने काउंटर पर मौजूद अन्य कर्मचारियों से भी विवाद किया और मॉनिटर तोड़ दिया।

मजदूर की मौत : कंपनी के शिफ्ट इंचार्ज पर केस

भिलाई। भिलाई तीन पुलिस ने एक कंपनी में काम करने वाले मजदूर की मौत के मामले में प्लांट और शिफ्ट इंचार्ज के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक 24 जनवरी 2026 को मजदूर लेखुराम कौशल के सिर पर लोहे की बीम गिर गई थी। इससे मजदूर की मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच की। जांच में स्पष्ट हुआ कि कंपनी के प्लांट इंचार्ज सत्यनारायण पंडा और शिफ्ट इंचार्ज विनोद यादव की लापरवाही से मजदूर की मौत हुई है। पुलिस के मुताबिक प्रार्थी अतुल सिन्हा निवासी सुपेला की शिकायत पर केस दर्ज किया है।

मेडिकल स्टोर संचालक को 12 साल की सजा

दुर्ग। एनडीपीएस एक्ट के तहत न्यायाधीश सुनीता टोप्पो की विशेष कोर्ट ने प्रतिबंधित सीरप बेचने वाले मेडिकल स्टोर संचालक अनिल सिंह को 12 वर्ष की सजा सुनाई है। आरोपी पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। 17 सितंबर 2024 को मारे गए छापे में पता चला कि आरोपी ने एक स्टील के ड्रम में 25 नग प्रतिबंधित सीरप छिपा रखा था। वहीं आरोपी अनिल को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय में हृदयाघात की स्थिति में त्वरित सहायता हेतु सीपीआर प्रशिक्षण कार्यक्रम

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र (जेएलएनएचआरसी) के एनेस्थीसियोलॉजी विभाग द्वारा सेव अ लाइफ पहल के अंतर्गत ओपीडी परिसर में 02 मार्च को हैंड-ओनली सीपीसीआर (कार्डियो पल्मोनरी सेरेब्रल रीससिटेशन) कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण सत्र में ओपीडी में उपस्थित रोगियों एवं उनके परिजनों को आकस्मिक हृदयाघात की स्थिति में तत्काल जीवनरक्षक सहायता प्रदान करने संबंधी आवश्यक जानकारी दी गई।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. विनीता द्विवेदी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएँ) डॉ. कौशलेंद्र ठाकुर एवं डॉ. उदय कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य हृदयाघात जैसी आकस्मिक परिस्थितियों में चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध होने से पूर्व की महत्वपूर्ण अवधि के दौरान

आम नागरिकों को त्वरित एवं प्रभावी जीवनरक्षक उपाय करने हेतु सक्षम बनाना था।

प्रशिक्षण सत्र का संचालन एनेस्थीसियोलॉजी विभाग की विशेषज्ञ टीम डॉ. जयिता सरकार, डॉ. अमित अग्रवाल एवं डॉ. शिखा अग्रवाल द्वारा किया गया। प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित आमजन को सरल एवं प्रभावी जीवनरक्षक तकनीकों का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षकों द्वारा पुश हार्ड, पुश फास्ट सिद्धांत पर आधारित हैंड्स-ओनली सीपीआर की विधि का प्रदर्शन किया गया, जिससे बिना माउथ-टू-माउथ प्रक्रिया के भी त्वरित सहायता संभव हो सके। साथ ही, हृदय संबंधी आपात स्थिति की शीघ्र पहचान तथा तत्काल चिकित्सकीय सहायता बुलाने के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया।

प्रशिक्षण सत्र के अंतर्गत मैनिकिन्स के माध्यम से उपस्थितजनों को व्यावहारिक अभ्यास कराया गया, जिसमें चिकित्सकीय स्टाफने व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन प्रदान करते हुए सीने पर सही दबाव की जानकारी दी।

बीएसपी क्वार्टरों में अनाधिकृत निर्माण का नियमितीकरण संभव नहीं, आबंटियों को नियमों के पालन की स्पष्ट चेतावनी

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र प्रबंधन ने भिलाई टाउनशिप क्षेत्र में अनाधिकृत निर्माण एवं नियमों के उल्लंघन के मामलों को गंभीरता से लेते हुए स्पष्ट किया है कि टाउनशिप क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिरिक्त विस्तार नियमितीकरण योग्य नहीं है। प्रबंधन ने आबंटियों को चेतावनी दी है कि नियमों की अनदेखी कर किए गए निर्माण पर नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

भिलाई टाउनशिप में लीज/ लाइसेंस/ आबंटन के आधार पर प्रदत्त दुकान, आवास अथवा अन्य परिसरों के सभी आबंटियों को सूचित किया जाता है कि बीएसपी टाउनशिप क्षेत्र एवं इसकी संपत्तियाँ लोक परिसर (अनाधिकृत अधिभोगियों का निष्कासन) अधिनियम, 1971 के अंतर्गत अधिसूचित लोक परिसर की श्रेणी में आता हैं।

इन परिसरों का आबंटन, प्रबंधन एवं संचालन बीएसपी द्वारा निर्धारित नियमों एवं शर्तों के अनुसार किया जाता है। इन शर्तों के तहत आबंटियों को किसी भी प्रकार का अतिरिक्त अथवा अनाधिकृत निर्माण करने की अनुमति नहीं है। बीएसपी प्रबंधन की पूर्व स्वीकृति के बिना किया गया कोई भी निर्माण नियम

विरुद्ध एवं अवैध माना जाएगा।

अत: बीएसपी के समस्त आबंटियों को उनके हित में सूचित किया जाता है कि वे किसी भी प्रकार का अनाधिकृत निर्माण न करें तथा आबंटन की सभी शर्तों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करें। स्पष्ट किया जाता है कि अनाधिकृत भवन अथवा नियमाविरुद्ध निर्माण का किसी भी परिस्थिति में नियमितीकरण संभव नहीं है। यदि कोई आबंटी नियमितीकरण संबंधी कोई प्रक्रिया प्रारंभ करता है, तो वह पूर्णत: उसके स्वयं के जोखिम एवं व्यय पर होगी। निगम अथवा अन्य किसी प्राधिकरण के साथ की गई ऐसी कोई भी नियमितीकरण कार्यवाही बी.एस.पी. पर बाध्यकारी नहीं होगी।

उल्लेखनीय हैं कि समाचार पत्रों में प्रकाशित सूचना एवं नगर निगम, भिलाई द्वारा दिनांक 25.02.2026 को जारी तथा 26.02.2026 के समाचार पत्रों में प्रकाशित नोटिस के माध्यम से यह ज्ञात हुआ है कि बी.एस.पी. द्वारा लीज पर प्रदत्त आवासीय, व्यावसायिक एवं अन्य परिसरों में लीजधारकों/आबंटियों द्वारा किए गए अनाधिकृत विस्तार एवं निर्माण के मामलों को नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के अंतर्गत नगर पालिक निगम, भिलाई द्वारा नियमितीकरण किए जाने की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। इस संबंध में निगम द्वारा संबंधित लीजधारकों/आबंटियों से आवेदन आमंत्रित किए गए थे, जिन्होंने दुकान/मकान/अन्य परिसरों में निर्धारित सीमा से अधिक निर्माण किया है।

उक्त संदर्भित नोटिस (निगम का नोटिस दिनांक 25.02.2026) के संबंध में यह स्पष्ट किया जाता है कि बी.एस.पी. प्रबंधन द्वारा नगर पालिक निगम, भिलाई की उक्त कार्यवाही से स्वयं को असंबद्ध किया जाता है। अत: नगर निगम, भिलाई द्वारा जारी किसी भी प्रकार की नियमितीकरण संबंधी प्रक्रिया या नोटिस बी.एस.पी. पर बाध्यकारी नहीं है। नगर पालिक निगम अधिनियम, 1956 के प्रावधानों का हवाला देते हुए यह भी स्पष्ट किया गया है कि अनाधिकृत निर्माण या नियमाविरुद्ध विस्तार को नियमित करने का अधिकार निगम प्रशासन के पास नहीं है।

बीएसपी प्रबंधन ने सभी आबंटियों से अपील की है कि वे टाउनशिप क्षेत्र में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त या अनाधिकृत निर्माण न करें तथा आबंटन की शर्तों एवं सुरक्षा मानकों का पूर्णत: पालन करें। भिलाई टाउनशिप की सुव्यवस्था, सुरक्षा एवं नियोजित विकास सुनिश्चित करना संयंत्र प्रबंधन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से नियमों के अनुपालन को अनिवार्य बनाया गया है, ताकि नगर की मूल संरचना, नागरिक सुविधाओं एवं सार्वजनिक सुरक्षा से कोई समझौता न हो।

राजस्व राशि जमा नहीं करने पर नगर निगम दो कर्मचारी निलंबित

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल ने राजस्व वसूली में अनियमितता एवं निगम कोष में राशि जमा नहीं करने के मामले में सख्त कार्रवाई करते हुए दो कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सहायक ग्रेड-03 संकेत धर्मकार द्वारा अपने प्रभार वार्ड से वसूल की गई 32,336 रुपये की राशि निगम कोष में जमा नहीं करने पर 21 जनवरी 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था।

इसके बाद केशबुक मिलान में कुल 2,53,383 रुपये निगम कोष में जमा नहीं किया जाना पाया गया। 24 फरवरी 2026 को अंतिम चेतावनी पत्र जारी किया गया। निर्धारित समयावधि तक राशि जमा नहीं करने तथा रसीद बुक से वसूली गई राशि समय पर निगम कोष में जमा नहीं किए जाने को कदाचार की श्रेणी में मानते हुए छत्तीसगढ़ सिविल नियम 1966 के नियम 9(1) के तहत आयुक्त ने संकेत धर्मकार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय जलगृह विभाग निर्धारित किया गया है।

इसी प्रकार सहायक राजस्व निरीक्षक विवेक सालवनकर द्वारा अपने प्रभार वार्ड से वसूल की गई 36,586 रुपये की राशि निगम कोष में जमा नहीं करने के कारण 21 जनवरी 2026 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। केशबुक मिलान के बाद 91,383 रुपये निगम कोष में जमा करने हेतु 24 फरवरी 2026 को अंतिम चेतावनी पत्र जारी किया गया, किन्तु निर्धारित समयावधि के बावजूद राशि जमा नहीं की गई। इसे कदाचार मानते हुए आयुक्त द्वारा विवेक सालवनकर को भी निलंबित किया गया है।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स का स्वदेशी मेला 13 से तैयारी शुरू, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ने किया भूमि पूजन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। भिलाई में आयोजित होने जा रहे स्वदेशी मेले के कार्यक्रम स्थल पर आज विधिवत भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस मेले का आयोजन छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा किया जाता है। इस साल यह आयोजन 13 से 19 मार्च तक होगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष प्रेम प्रकाश पांडेय (पूर्व विधानसभा अध्यक्ष) उपस्थित रहे। भूमि पूजन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। अतिथि प्रेम प्रकाश पाण्डेय ने कहा

कि स्वदेशी मेला केवल व्यापार का मंच नहीं, बल्कि देश की संस्कृति, स्वावलंबन और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण माध्यम है। ऐसे आयोजन से स्थानीय उद्यमियों और व्यापारियों को नई ऊर्जा और अवसर मिलते हैं। कार्यक्रम संयोजक अजय भसीन ने बताया कि स्वदेशी मेले के माध्यम से देशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने तथा लोगों को स्वदेशी के प्रति जागरूक करने का उद्देश्य है। मेले में विभिन्न प्रकार के स्वदेशी उत्पाद, हस्तशिल्प, खाद्य सामग्री एवं पारंपरिक वस्तुओं के स्टॉल लगाए जाएंगे। इस अवसर पर स्वागत समिति के अध्यक्ष दिनकर बासोतिया, सहसंयोजक भोजराज सिन्हा, सरोजनी पाणिग्रही, स्वागत समिति सचिव दिव्या भसीन मक्कड़, कार्यक्रम समन्वयक अजय तिवारी, प्रान्त संपर्क प्रमुख सुब्रत चाकी, प्रान्त प्रमुख संघर्ष वाहिनी दिनेश पाटिल, आर जगत, जगदीश मेहता, मोहन बागुल, विनायक नातू, पंडित सुनील मिश्रा गुरु प्रसाद तिवारी सुमन कन्नौज शंकर सचदेव जयेश पंचाल भावेश सेन अशोक राठी, महेश वर्मा, राजा महोबिया, शंकर सचदेव, स्मिता महाडिक श्वेता कनौजिया, उपस्थित थे।

वाय-शेप ब्रिज के नीचे 10 भूखंड नीलामी तिथि बढ़ी

दुर्ग। नगर पालिक निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर बाजार विभाग द्वारा रायपुर निगम क्षेत्र अंतर्गत नाका वाय-शेप ब्रिज के नीचे निगम आधिपत्य की दुकानों के बाजू स्थित रिक्त 10 भूखंडों की नीलामी प्रक्रिया को लेकर तिथि में संशोधन किया गया है। अब उक्त 10 भूखंडों के लिए नीलामी आमंत्रण की अंतिम तिथि 16 मार्च 2026 तक निर्धारित की गई है। इच्छुक आवेदक निर्धारित तिथि तक अपनी निविदाएं जमा कर सकते हैं। इसके पश्चात 17 मार्च 2026 को नगर निगम कार्यालय में प्राप्त निविदाओं को विधिवत खोला जाएगा। इस प्रक्रिया से निगम क्षेत्र में उपलब्ध रिक्त भूखंडों का व्यवस्थित उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा।

टीपीएल में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। बीएसपी के टीपीएल वर्कशॉप द्वारा विगत दिनों प्रात:काल 8:45 बजे टी डी एस-1 के निकट फॉरेस्ट एवेन्यू (अग्निशमन मुख्यालय के सामने) सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन महाप्रबंधक (टीपीएल) शैलेन्द्र कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में किया गया।

संयंत्र परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षित यातायात व्यवहार को बढ़ावा देने तथा कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों को सड़क सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जागरूकता अभियान चलाया गया, इसमें उप प्रबंधक एवं विभागीय सुरक्षा अधिकारी श्री प्रवीण व्यवहारे सहित विभाग के

अन्य कर्मचारी एवं ठेका श्रमिकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

अभियान के दौरान संयंत्र के भीतर दोपहिया एवं चारपहिया वाहन चालकों को अनिवार्य रूप से हेलमेट एवं सीट बेल्ट के उपयोग, निर्धारित गति सीमा के पालन, वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने तथा विपरीत दिशा में वाहन न चलाने के संबंध में समझाइश दी गई।

संयंत्र परिसर में हल्के वाहनों के लिए अधिकतम गति सीमा 30 कि.मी./घंटा तथा भारी वाहनों के लिए 20 कि.मी./घंटा निर्धारित होने की पुन: जानकारी दी गई और इसके कड़ाई से अनुपालन पर बल दिया गया।

किराया नहीं देने पर मानस भवन के पास 16 गुमटियां सील

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग सीमा क्षेत्र अंतर्गत मानस भवन के पास लगे अस्थाई गुमटीधारियों पर निगम प्रशासन द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई। गुमटीधारियों द्वारा लंबे समय से बकाया किराया राशि जमा नहीं किए जाने के कारण आयुक्त सुमित अग्रवाल के सख्त निर्देश पर निगम के बाजार विभाग के ईश्वर वर्मा और शशिकांत यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

निगम अमले ने मानस भवन के पास लगे अस्थाई 16 गुमटियों को सीलबंद करने की कार्रवाई की। निगम प्रशासन ने बताया कि कई बार नोटिस देने के बाद भी संबंधित गुमटीधारियों द्वारा किराया राशि जमा नहीं की गई, जिसके चलते यह सख्त कदम उठाया गया।

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि दुर्ग नगर निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत जिन दुकानदारों द्वारा बकाया किराया राशि जमा नहीं की जाएगी, उन दुकानों पर भी इसी प्रकार सीलबंद की कार्रवाई कर निगम आधिपत्य में लिया जाएगा।

बता दें कि मानस भवन के पास स्थित अस्थाई गुमटीधारियों द्वारा बकाया किराया राशि जमा नहीं किए जाने के कारण 16 गुमटियों में सीलबंद की कार्रवाई की गई।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा कि निगम की संपत्तियों का किराया समय पर जमा करना आवश्यक है। नियमों की अनदेखी करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

बीएसपी इंटर डिपार्टमेंट एथलेटिक्स का आयोजन 14 मार्च को सेक्टर-4 में

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग द्वारा अंतर विभागीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता-2026 का आयोजन दिनांक 14 मार्च 2026 को प्रात: 8:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक सेल एथलेटिक्स अकादमी, सेक्टर-04 मैदान में किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य संयंत्र के कर्मचारियों में खेल भावना, शारीरिक दक्षता एवं टीम भावना को प्रोत्साहित करना है। प्रतियोगिता में भिलाई इस्पात संयंत्र के सभी नियमित एवं प्रशिक्षु कर्मचारी भाग ले सकेंगे।

प्रत्येक प्रतिभागी अधिकतम दो स्पर्धाओं में हिस्सा ले सकेगा। पुरुष प्रतिभागी 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर एवं 800 मीटर लंबी कूद, जेवलिन थ्रो तथा शॉटपुट में भाग ले सकते हैं वहीं महिला प्रतिभागी 100 मीटर, 200 मीटर एवं 400 मीटर जेवलिन थ्रो तथा शॉटपुट में भाग ले सकते हैं।

प्रतियोगिता के सुचारू संचालन हेतु यह अनिवार्य किया गया है कि प्रत्येक स्पर्धा में न्यूनतम चार प्रतिभागियों की उपस्थिति आवश्यक होगी, अन्यथा संबंधित स्पर्धा को निरस्त माना जाएगा।

प्रतियोगिता में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागी अपनी प्रविष्टियां अपने-अपने विभाग के माध्यम से क्रीड़ा, सांस्कृतिक एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के कार्यालय बोकारो हॉस्टल, सेक्टर-4 में कार्यालयीन समय पर दिनांक 13 मार्च 2026 तक अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
Washing Machine / Cooler
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

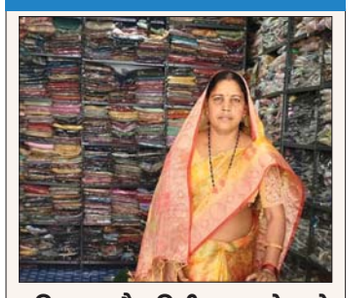

प्रशिक्षण और वित्तीय सहयोग से बढ़ी आय, 8 लाख की कमाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में महिलाओं को स्व सहायता समूहों के माध्यम से संगठित कर उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। कोरबा जिले के विकासखंड करतला के ग्राम सरगबुंदिया की निवासी सावित्री उरांव के लिए एक समय ऐसा था जब उनका जीवन संघर्षों से घिरा हुआ था। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत गठित स्व सहायता समूह से जुड़ना महत्वपूर्ण साबित हुआ। बिहान के तहत वित्तीय साक्षरता, समूह प्रबंधन, उद्यम विकास और आजीविका संवर्धन संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। जिला प्रशासन एवं एनआरएलएम के सहयोग से समूह को बैंकिंग से जोड़ा गया, जिसके अंतर्गत समूह को रिवॉल्विंग फंड, सामुदायिक निवेश निधि तथा बैंक ऋण की सुविधा प्राप्त हुई। आज उनकी वार्षिक आय 8 लाख रुपये तक पहुंच चुकी है।

बेटी के सुनहरे भविष्य की नींव बनी सुकन्या समृद्धि योजना

रायपुर। केंद्र सरकार द्वारा संचालित सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बलरामपुर जिले के कुसमी विकासखंड अंतर्गत कोरंधा सेक्टर के करम टोली निवासी सुरेखा भगत ने अपनी बेटी के उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना का लाभ लिया है। श्रीमती सुरेखा एक गृहिणी हैं। उन्होंने बेटी रिया के नाम से डाकघर में सुकन्या समृद्धि योजना का खाता खुलवाया। महतारी वंदन योजना से इस खाते में नियमित रूप से बचत करने में सहायता मिली। सुरेखा बताती है कि यह बालिकाओं की शिक्षा और विवाह के लिए एक छोटी बचत योजना है। 10 वर्ष से कम उम्र की बेटी के लिए डाकघर या अधिकृत बैंक में खाता खोलकर, प्रति वर्ष 250 से 1.5 लाख तक निवेश कर आकर्षक ब्याज प्राप्त की जा सकती है।

बिहान योजना : ड्रोन तकनीक से किसानों की मदद कर अपने गांव में आत्मनिर्भर 'ड्रोन दीदी' बन गई सीमा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी सीमित संसाधनों और आर्थिक परेशानियों के बीच जीवन बिताने वाली बिलासपुर जिले के ग्राम पंचायत पौंड़ी, जनपद पंचायत मस्तूरी की सीमा वर्मा आज अपने साहस, मेहनत और नई तकनीक को अपनाने की लगन से सफलता की नई ऊंचाइयों को छू रही हैं।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़कर उन्होंने न केवल अपने जीवन की दिशा बदली, बल्कि गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन गई हैं। गांव में आज ड्रोन दीदी कहलाती हैं।

वर्ष 2014 में सीमा वर्मा ने जय मां गायत्री स्व-सहायता समूह से जुड़कर अपनी नई यात्रा की शुरुआत की। शुरुआत में उन्होंने समूह के साथ बचत और छोटे-छोटे कार्यों के माध्यम से आर्थिक स्थिति मजबूत करने का प्रयास किया।

'बिहान' से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार के अवसर मिले और उन्होंने पैरा मशरूम उत्पादन का कार्य शुरू किया। अपनी मेहनत और लगन से उन्होंने इस

कार्य को आगे बढ़ाया, जिससे उन्हें नियमित आय मिलने लगी।

कुछ नया सीखने और आगे बढ़ने की इच्छा ने सीमा को आधुनिक तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण के बाद शासन की सहायता से उन्हें ड्रोन सेट, जनरेटर और ई-वाहन उपलब्ध कराया गया। इसके बाद उन्होंने किसानों के खेतों में ड्रोन के माध्यम से कीटनाशक का छिड़काव करना शुरू किया।

आज सीमा वर्मा ड्रोन तकनीक के माध्यम से किसानों की खेती को आसान बना रही हैं और सम्मानजनक आय अर्जित कर रही हैं। गांव में लोग उन्हें अब स्नेहपूर्वक 'ड्रोन दीदी' के नाम से पुकारते हैं।

सीमा वर्मा की यह प्रेरक यात्रा साबित करती है कि सही अवसर, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलने पर ग्रामीण महिलाएं भी अपने हौसले के दम पर नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं। 'बिहान' योजना ने उनके जीवन को नई दिशा दी और उनके सपनों को नई उड़ान प्रदान की। नई तकनीक से लैस सीमा दीदी अब गांव के लिए कौतूहल और सम्मान का विषय है।

स्व-सहायता समूहों से बदल रही महिलाओं की आर्थिक सामाजिक स्थिति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला सशक्तिकरण का अर्थ महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक, और राजनीतिक रूप से स्वतंत्र और समर्थ बनाना है, ताकि वे अपने जीवन के फैसले खुद ले सकें, शिक्षा प्राप्त करें और लैंगिक समानता प्राप्त कर सकें।

ममता बनी उद्यमिता की मिसाल

सूरजपुर जिले की ममता राजवाड़े इन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने आर्थिक तंगी को पीछे छोड़कर मेहनत और लगन से अपनी एक अलग पहचान बनाई है। ममता 'लक्ष्मी स्व-सहायता समूह' से जुड़ी। उसने न केवल बचत का महत्व समझाया, बल्कि कुछ नया करने का आत्मविश्वास भी आया। उन्होंने समूह से ऋण लिया और एक छोटी सी किराना दुकान की नींव रखी। किराना व्यवसाय की सफलता के बाद उन्होंने फोटोकॉपी मशीन खरीदी। आज वे मासिक 20 से 30 हजार रुपए तक अर्जित कर रही हैं। ममता राजवाड़े ने कहा कि व्यवसाय भले ही छोटा हो, लेकिन वह आपके आत्मविश्वास को बहुत बड़ा बना देता है।

लखपति दीदी बनी क्रांतिबाई

उत्तर बस्तर कांकेर जिले के जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर के छोटे से गांव परवी की उजाला स्व-सहायता समूह की सदस्य श्रीमती क्रांतिबाई नेताम की कहानी संघर्ष, मेहनत और आत्मविश्वास की मिसाल है। परिवार की जिम्मेदारियां, सीमित संसाधन और आर्थिक तंगी के बावजूद उन्होंने कभी हार नहीं मानी। क्रांति बाई का जीवन खेती और घर-परिवार तक सीमित थी। चार बच्चों की जिम्मेदारी और एक अनिश्चित भविष्य के बीच स्वाभिमान की मशाल जलाए रखी। वर्ष 2013 में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़कर उनकी जिंदगी ने नया मोड़ लिया और वे उजाला स्व-सहायता समूह की सदस्य बनीं। क्रांति बाई ने अपनी 10 एकड़ जमीन में एसआरआई विधि से धान की खेती के अलावा उड़द और मौसमी सब्जियों की खेती अपनाई। रासायनिक खाद के स्थान पर जीवामृत और वर्मी कम्पोस्ट का उपयोग किया। खेती की लागत कम हुई और उत्पादन बढ़ा। खेती के साथ-साथ उन्होंने मुर्गी पालन, मछली पालन और लाख की खेती जैसे कार्य भी शुरू किया। लाख उत्पादन से उन्हें अच्छी आमदनी मिलने लगी। समूह से 02 लाख 50 हजार रूपए का ऋण लेकर अपने कार्यों का विस्तार किया। आज उनकी मासिक आय लगभग 13,500 रूपए तक पहुंच गई है। कभी मिट्टी के छोटे से घर में रहने वाली क्रांतिबाई अब पक्के मकान में रहती है। उनके बच्चे कॉलेज और सरकारी सेवाओं में हैं।

बलरामपुर की श्यामबाई बनीं लखपति दीदी

बलरामपुर जिले के विकासखण्ड वाड्रफनगर के ग्राम पंचायत गोवर्धनपुर की निवासी श्यामबाई का परिवार खेती और मजदूरी पर निर्भर था। सालाना आय 50 हजार थी। आर्थिक स्थिति को सुधारने बबीता महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी। समूह के माध्यम से उन्हें बिहान मिशन के तहत 10

हजार रूपये की सामुदायिक निवेश निधि और 12 हजार का बैंक क्रेडिट लिंकेज प्राप्त हुआ। श्यामबाई ने इस छोटी सी पूंजी से किराना दुकान शुरू किया। श्यामबाई की लगन और समूह की सहयोग से उनकी सालाना आय में दोगुना वृद्धि हुई। श्यामबाई कहती हैं कि समूह से जुड़कर मैने भी अपने जीवन स्तर को बदला है। जिससे बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने और आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। वे कहती है कि हर महिला को बिहान से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होना चाहिए।

सेटरिंग और मशरूम से रेवती बनी लखपति

सक्ति जिला के जनपद पंचायत डभरा के ग्राम पंचायत डोमनपुर की सखी सहेली महिला स्व-सहायता समूह की सचिव रेवती साहू अपने समूह के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। इस समूह की अध्यक्ष खिलेश्वरी बरेठ हैं। समूह को

एनआरएलएम (बिहान) योजना के अंतर्गत आरएफ राशि 15 हजार रुपये एवं सीआईएफ राशि 60 हजार रुपये की सहायता प्राप्त हुई। बैंक लिंकेज के माध्यम से भी ऋण सुविधा उपलब्ध कराई गई। पहले रेवती घरेलू कार्यों तक ही सीमित थीं। समूह की बैठकों, प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से उन्हें स्वरोजगार की प्रेरणा मिली और उन्होंने घर के कार्यों के साथ आर्थिक गतिविधि शुरू करने का निर्णय लिया। रेवती ने सेंटरिंग प्लेट से शुरुआत की। बिहान योजना के अंतर्गत बैंक लिंकेज के माध्यम से एक हजार रुपये तथा सीआईएफसे 60 हजार रुपये की वित्तीय सहायता प्राप्त हुई। वित्तीय वर्ष 2025 में उन्हें बैंक लिंकेज के माध्यम से 10 लाख रुपये का ऋण मिला, जिसमें से 4 लाख रुपये से सेटरिंग प्लेट सामग्री क्रय कर व्यवसाय का विस्तार किया गया। इस व्यवसाय से वर्तमान में उन्हें लगभग 3 लाख 60 हजार रुपये की वार्षिक आय प्राप्त हो रही है। रेवती यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने मशरूम उत्पादन शुरू किया। प्रतिदिन लगभग 10 किलो मशरूम का उत्पादन कर आसपास के बाजारों में विक्रय करती हैं। इस गतिविधि से उन्हें प्रतिवर्ष लगभग 60 हजार से 70 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय प्राप्त हो रही है।

सूरजपुर की चन्दा बनीं प्रेरक मिसाल

सूरजपुर जिले की चन्दा ने बिहान स्व-सहायता समूह से

जुड़कर अपने जीवन को नई दिशा दी। उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर एक किराना दुकान शुरू की। आज उन्हें हर महीने लगभग 10 से 15 हजार रुपये की आय होने लगी है।

डीएमएफ मद से खुली कोरिया मिलेट्स कैफे, स्व सहायता समूह की महिलाओं की किस्मत चमक गई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कोरिया जिले के कलेक्टरेट परिसर में संचालित 'कोरिया मिलेट्स कैफे' आज महिला सशक्तिकरण की एक प्रेरणादायक मिसाल बन चुका है। इस कैफे में 31 महिलाएं मिलकर स्वादिष्ट और सेहतमंद मिलेट्स आधारित व्यंजन तैयार कर रही हैं। अपनी गुणवत्ता और स्वाद के कारण यह कैफे लोगों की पसंदीदा जगह बन गया है। यहां कार्यरत अधिकांश महिलाएं अब 'लखपति दीदी' के रूप में भी पहचान बना चुकी हैं।

वर्ष 2023 में डीएमएफकी सहायता से शुरू हुए इस कैफे में कोदो शाही खीर, ज्वार का गुलाब जामुन, कोदो उपमा, रागी चीला, बाजरा चीला, ज्वार चीला, ज्वार पकोड़ा, बाजरा डोसा, ज्वार पराठा, कोदो कर्ड राइस, कोदो फ्राइड राइस, मिलेट्स पनीर चिल्ली और मिलेट्स मंचूरियन जैसे कई प्रकार के पौष्टिक व्यंजन तैयार किए जाते हैं।

कोरिया मिलेट्स कैफे की खास बात यह है कि यहां विभिन्न धर्म, वर्ग और जाति की महिलाएं मिलकर कार्य कर रही हैं। हिना ने बताया कि कैफे शुरू करने से पहले उन्होंने रायपुर में 18 दिनों का प्रशिक्षण प्राप्त किया, जिसमें मिलेट्स से बनने वाले विभिन्न व्यंजनों को बनाना सिखाया गया। इसके बाद उन्होंने सरगुजा, महासमुंद, कोरबा और मुंगेली-बिलासपुर में भी सात दिवसीय प्रशिक्षण देकर अन्य महिला समूहों को प्रशिक्षित किया।

अब तक करीब 32 महीनों में कोरिया मिलेट्स कैफे ने लगभग 1 करोड़ 65 लाख रुपये का कारोबार किया है, जिसमें से 62 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ है। जिले में आयोजित राज्योत्सव और कोरिया महोत्सव जैसे आयोजनों में भी इस कैफे के स्टॉल लगाए जाते हैं, जहां लोगों को मिलेट्स से बने व्यंजनों का स्वाद चखने का अवसर मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री साय भी कर चुके हैं सराहना

अगस्त 2025 में महाराष्ट्र के जलगांव में आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कोरिया मिलेट्स कैफे की महिलाओं से बातचीत कर उनके कार्यों की सराहना की थी। हाल ही में राज्य के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कोरिया महोत्सव के दौरान यहां बने व्यंजनों का स्वाद लिया और महिलाओं के प्रयासों की प्रशंसा की। कलेक्टर चंदन त्रिपाठी ने बताया कि जिले की महिलाओं में जीवटता और जुनून है। कोरिया मिलेट्स कैफे इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। यहां की स्वच्छता, स्वादिष्ट और सेहतमंद भोजन-नाश्ते ने कम समय में इसे अलग पहचान दिलाई है। निश्चित ही यह कैफे अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायक बन रहा है।

बिहान समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर हुई कोरदा की माहेश्वरी यादव

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत छोटे व्यवसाय, कौशल प्रशिक्षण और डिजिटल साक्षरता के माध्यम से ग्रामीण व शहरी महिलाओं को सम्मानजनक आय के अवसर प्रदान कर आत्मनिर्भर बना रही हैं। बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के ग्राम कोरदा की रहने वाली माहेश्वरी यादव की कहानी उन महिलाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है, जो अपने परिवार को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना चाहती हैं। करीब चार साल पहले तक माहेश्वरी जी का जीवन घर-परिवार की सामान्य जिम्मेदारियों तक सीमित था, लेकिन बिहान समूह से जुड़ने के निर्णय ने उनके सपनों को नए पंख दे दिए। अपने पति रामेश्वर के सहयोग और बिहान योजना के माध्यम से मिली आर्थिक मदद से उन्होंने गांव में ही एक छोटी सी किराना दुकान की शुरुआत की। दुकान के सफल संचालन से अब माहेश्वरी सालाना एक से 1.5 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं, जिससे उन्होंने लखपति दीदी बनने का गौरव हासिल किया है। आर्थिक स्थिरता का सबसे सकारात्मक प्रभाव उनके बच्चों के भविष्य पर पड़ा है। उनके तीन बेटे हैं, जो फिलहाल 12 वीं, 8 वीं और 5 वीं कक्षा में पढ़ाई कर रहे हैं। माहेश्वरी जी अब बिना किसी वित्तीय बोझ के अपने बच्चों को अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर पा रही हैं। बिहान ने न केवल उन्हें एक नई पहचान दिलाई, बल्कि उन्हें एक सफल उद्यमी के रूप में स्थापित कर दिया। माहेश्वरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का आभार व्यक्त किया है।

महतारी वंदन योजना से बदल रही जिन्दगी उद्यमिता के लिए मिला हौसला, बदली जिंदगी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर संचालित महतारी वंदन योजना हजारों महिलाओं के लिए

आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक जीवन की नई राह खोल रही है।

बालोद जिले के ग्राम खैरडीह की रोहनी पटेल की कहानी इसी परिवर्तन की एक प्रेरक मिसाल है। पति की असमय मृत्यु के बाद उनके सामने जिम्मेदारियों का बड़ा बोझ आ गया। वृद्ध सास की देखभाल और कॉलेज में पढ़ रहे दो बच्चों के भविष्य की चिंता सताती थी।

ऐसे में महतारी वंदन योजना उनके लिए उम्मीद की किरण बनकर आई। रोहनी ने इस राशि को घरेलू खर्चों में खर्च करने के बजाय इसे निवेश के रूप में देखने का निर्णय लिया।

छह-सात महीनों तक प्राप्त हुई किस्तों को उन्होंने संचित किया और संचित राशि से सब्जी उत्पादन का कार्य शुरू किया। आज रोहनी आसपास के ग्रामीण बाजारों में सब्जी बेच रही हैं। नियमित और सम्मानजनक आय से वे अपने परिवार की दैनिक आवश्यकताओं को सहजता से पूरा कर पा रही हैं। उनके बच्चों की कॉलेज की पढ़ाई भी बिना किसी बाधा के जारी है।

महतारी वंदन से संवर रहा सुमनी का घर-परिवार

बस्तर जिले के बकावंड विकासखंड ग्राम छिंदगांव दुर्काटोंगा की रहने वाली सुमनी कश्यप की कहानी जीती-जागती मिसाल है। सुमनी के लिए पिछला कुछ समय चुनौतियों भरा रहा। पति की कड़ी मेहनत के बावजूद घर के खर्चों और बच्चों की पढ़ाई के बीच तालमेल बिठाना अक्सर कठिन होता था। 'महतारी वंदन योजना' ने उनके जीवन में एक बड़े सहारे के रूप में दस्तक दी।

जब हर महीने 1000 रुपये की राशि खाते में आने लगी, तो जीवन की दिशा बदल गई। इस छोटी लेकिन नियमित मिलने वाली राशि ने न केवल आत्मविश्वास बढ़ाया बल्कि परिवार की जिम्मेदारियों में योगदान के काबिल भी बनाया। बेटी की शिक्षा और भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से उन्होंने 'सुकन्या समृद्धि योजना' में खाता खुलवाया। सुमनी आने वाली पीढ़ी के लिए सुनहरे भविष्य की इबारत भी लिख रही हैं।

बालोद की टिकेश्वरी बनीं आत्मनिर्भर की मिसाल

महतारी वंदन योजना ने प्रदेश की हजारों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। बालोद जिले के डौंडी विकासखंड के ग्राम खम्हारटोला की रहने वाली टिकेश्वरी की कहानी इसी बदलाव का प्रेरक उदाहरण है, टिकेश्वरी मजदूरी करती थी। आय अनिश्चित होने के कारण जरूरतें पूरा करना चुनौतीपूर्ण था। महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली सहायता राशि ने उनके भीतर आत्मविश्वास और नई उम्मीद जगाई। टिकेश्वरी ने इस राशि को संचित कर एक छोटे व्यवसाय की शुरुआत करने का निर्णय लिया। महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर उन्होंने अपनी आर्थिक गतिविधियों को और मजबूत बनाया। महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि को संचित कर उन्होंने गांव में ही एक छोटी किराना दुकान की शुरुआत की। आज यह दुकान उनके परिवार की आय का स्थायी स्रोत बन चुकी है।

आत्मनिर्भरता की मिसाल बन गई मालगांव की हीराबाई

गरियाबंद जिले के ग्राम मालगांव की निवासी हीराबाई निषाद ने अपने साहस, दृढ़ निश्चय और निरंतर मेहनत के बल पर महिला सशक्तिकरण की प्रेरणादायक मिसाल प्रस्तुत की है। 2011 में हीराबाई ने स्व-सहायता समूह की शुरुआत की। 2016 में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' से जुड़ गईं। माता कृपा महिला स्व-सहायता समूह की स्थापना की। 60 हजार रुपये का ऋण प्राप्त कर उन्होंने बकरी पालन शुरू किया। आज उनकी बकरियों की संख्या बढ़कर 50 तक पहुंच चुकी है। त्यौहार के समय बकरियों की बिक्री से प्राप्त 1 लाख 50 हजार रुपये की दोना-पत्तल बनाने की ऑटोमैटिक मशीन खरीदी। फिर 1.8 लाख की अगरबत्ती बनाने की मशीन खरीदी। फिर एक लाख का डाउन पेमेंट कर लगभग 6 लाख की छोटी मालवाहक गाड़ी खरीदी। इस गाड़ी से उनका बेटा आसपास के गांवों में दैनिक उपयोग की वस्तुएं ले जाकर बिक्री करता है। इसके बाद हीराबाई ने ट्रैक्टर, ट्रॉली और थ्रेसर भी खरीदे, जिससे कृषि कार्यों में सुविधा मिली और उनकी आमदनी पहले से कई गुना बढ़ गई।

आज हीराबाई निषाद सच मायनों में अपने परिवार की 'हीरा' बनकर चमक रही हैं। उनकी लगन, मेहनत और आत्मविश्वास ने न केवल उनके परिवार को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है।

जारी हुआ 'धुरंधर 2' का ट्रेलर, बदला लेने के मूड में दिखे रणवीर

फिल्म 'धुरंधर 2' का दर्शकों को काफी इंतजार है। कुछ ही दिनों में यह सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इससे पहले मेकर्स ने इसका ट्रेलर जारी किया है, जो काफी दमदार है। ट्रेलर ने दर्शकों के उत्साह को और बढ़ा दिया है। आइए जानते हैं ट्रेलर में क्या खास है? 3 मिनट 25 सेकेंड के ट्रेलर में दिखाया गया है कि रणवीर सिंह एक्शन मोड में हैं। वह पहले से ज्यादा आक्रामक दिखे हैं। इसमें सवाल उठाया गया है कि रहमान डकैत की मौत के बाद ल्यारी का बादशाह कौन होगा। ट्रेलर देखने से लगता है कि ल्यारी के बादशाह रणवीर सिंह बन गए हैं। एक सीन में पाकिस्तान के लोग रणवीर की जीत का जश्न मनाते हुए नजर आते हैं। ट्रेलर में आगे नजर आता है कि ल्यारी के लोगों को जब रणवीर सिंह की सच्चाई का पता चलता है तो वो हैरानी जताते हैं।

ट्रेलर की खास बात

खास बात यह है कि ट्रेलर में रणवीर सिंह एक नए लुक में नजर आए हैं। ऐसा लगता है कि वह बदला लेने के मूड में हैं। रणवीर सिंह के अलावा संजय दत्त दमदार किरदार में नजर आए हैं। अर्जुन रामपाल पहले से ज्यादा खतरनाक दिखे हैं। ट्रेलर में डबल एक्शन और डबल धमाका है। ट्रेलर का डायलॉग 'पाकिस्तान का मुस्तकबिल अब हिंदुस्तान तय करेगा।' बहुत दमदार लगा है।

बॉक्स ऑफिस पर नहीं होगी भिड़ंत

बताते चलें कि सिनेमाघरों में 'धुरंधर 2' 19 मार्च को रिलीज होने वाली है। इसी दिन फिल्म 'टॉक्सिक' रिलीज होने वाली थी। हालांकि अब यश की 'टॉक्सिक' की रिलीज डेट आगे बढ़ गई है। ऐसे में ईद के मौके पर बॉक्स ऑफिस पर भिड़ंत नहीं होगी। 'टॉक्सिक' के मेकर्स ने जानकारी दी है कि मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव की वजह से फिल्म की रिलीज टल गई है। अब यह 4 जून को रिलीज होगी। ख्याल रहे कि 'धुरंधर 2' का पहला पार्ट 'धुरंधर' 05 दिसंबर 2025 को रिलीज हुआ था। आदित्य धर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर माधवन, संजय दत्त और सारा अर्जुन जैसे कलाकार थे। दर्शकों ने फिल्म को खूब सराहा था। सिनेमाघरों में यह फिल्म एक महीने से ज्यादा वक्त तक बनी रही। भारत के बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म ने 838.50 करोड़ रुपये, वहीं दुनियाभर में इसने 1305.35 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं -सेलिना जेटली

अभिनेत्री सेलिना जेटली ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर एक भावुक पोस्ट साझा करते हुए अपने जीवन के उतार-चढ़ाव, विदेश प्रवास और अपनी पहचान के संघर्ष पर दिल की बात कही। उन्होंने भारत वापसी की जानकारी देते हुए अपने मन के खालीफन और उदासी को व्यक्त किया। सेलिना ने लिखा कि जब कोई व्यक्ति विदेश में उतना लंबा समय व्यतीत कर लेता है, जितना उसने अपने बचपन में माता-पिता के साथ बिताया हो, तो वह अपनी जड़ों और पहचान को लेकर असमंजस में पड़ जाता है। उन्होंने ऑस्ट्रिया (आल्प्स) के प्राकृतिक सौंदर्य की तुलना अपने बचपन की यादों, यानी कुमाऊं के पहाड़ों और जंगलों से की। हालांकि, अभिनेत्री ने यह भी साझा किया कि वर्षों विदेश में रहने के बावजूद वहां उन्हें मात्र पीटर की भारतीय पत्नी के रूप में ही पहचाना गया। उन्होंने लिखा, पीटर हाग से मेरी शादी के बाद ऑस्ट्रेलिया और फिर ऑस्ट्रिया में बसीं, लेकिन समय के साथ घर जैसा एहसास कम होता गया।

अभिनेत्री ने अपनी मां की बात को याद करते हुए लिखा, आप एक ही इंसान को दो बार नहीं पा सकते, यहां तक कि उसी इंसान को भी नहीं। मां के साथ बिताया समय मेरा सबसे प्रिय समय था। अब जब मां-पिता और परिवार के सदस्य नहीं रहे, तो पुराना घर और एहसास वापस नहीं आता। कभी-कभी लोग ठीक होना भी नहीं चाहते, क्योंकि दर्द ही खोई हुई चीज से आखिरी रिश्ता बन जाता है।

एक सैनिक की बेटी होने के कारण उनका बचपन कई जगहों पर बीता। कोई एक स्थायी घर नहीं था, लेकिन माता-पिता ने हर जगह प्यार और खुशियां दीं। अभिनेत्री ने लिखा, अब विदेशी शादी और परिवार की कमी के कारण मुझे लगता है कि मेरा घर अब कहीं नही है। न ही मैं पूरी भारतीय और न ही विदेशी। मैं दो दुनियाओं का अच्छा हिस्सा हूं, लेकिन सच्चाई यह है कि अब कोई भी जगह पूरी तरह घर जैसी नहीं लगती।

सेलिना ने अपने पहाड़ों, जंगलों, बाघों और बचपन की यादों को घर का हिस्सा बताया। वे कहती हैं कि भारत लौटने पर उम्मीद थी कि पुराना अपनापन मिलेगा, लेकिन सब कुछ बदल चुका है। उन्होंने लिखा, अब मैं खुद से पूछती हूं कि मैं सच में कहां की हूं।

द केरल स्टोरी 2 : गोज बियॉन्ड के नए गाने को आदिति भाटिया ने किया प्रमोट, शेयर किया वीडियो

भारतीय टेलीविजन और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री आदिति भाटिया ने गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर अपनी नई फिल्म द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड के नए गाने का एक वीडियो शेयर किया है। हाल ही में रिलीज हुई अपनी फिल्म द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड के एक नए गाने का क्लिप शेयर करते हुए अदिति ने पोस्ट कैप्शन में लिखा, जब प्रेम भक्ति में बदल जाता है, तब राधा केवल एक नाम फुसफुसाती है ङ्क कान्हा। उन्होंने लिखा, कान्हा अब रिलीज हो चुकी है। इसी के साथ अभिनेत्री ने फिल्म को प्रोमोट करते हुए आगे लिखा, अब सहेंगे नहीं, लड़ेंगे। केरल स्टोरी 2 सिनेमाघरों में जारी है। वीडियो में एक्ट्रेस गुलाबी रंग के घाघरा-चोली में शानदार डांस करते नजर आ रही है। गाने में आदिती को आप भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में जमकर नृत्य करते देख सकते हैं।

आदिति के फैंस को उनका यह वीडियो काफी पसंद आ रहा है। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, फैंस कमेंट्स के माध्यम से वीडियो और अभिनेत्री पर अपना प्यार लगातार लुटा रहे हैं।

आदिति भाटिया भारतीय हिंदी टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री का एक जाना-माना चेहरा हैं, जो अपनी खूबसूरती के साथ-साथ लाजवाब एक्टिंग के लिए जानी जाती है। अभिनेत्री ने स्टार प्लस के शो ये है मोहब्बतें से फैंस के दिलों में असल पहचान बनाई, जिसमें उनके किरदार रूही को काफी पसंद किया गया।

एक्ट्रेंस ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एक बाल कलाकार के रूप में की थी और अब वह द केरल स्टोरी 2 जैसी फिल्मों में दमदार लीड रोल करते नजर आ रही हैं। इससे पहले अभिनेत्री कई हिंदी टेलीविजन सीरियल और रियलिटी शो में काम कर चुकी हैं और विभिन्न फिल्मों में अलग-अलग किरदार भी निभा चुकी हैं।

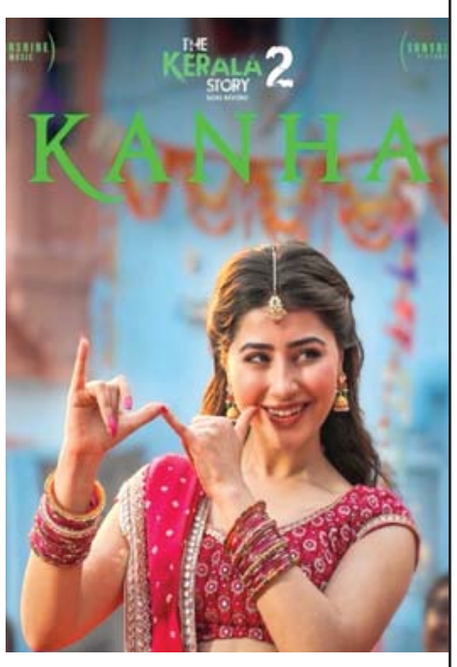

भारतीय हिंदी भाषा की ड्रामा फिल्म द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड 27 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। मूवी का निर्देशन कामाख्या नारायण सिंह ने किया है, और विपुल अमृतलाल शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसका निर्माण किया है।

द केरल स्टोरी 2: गोज बियॉन्ड में आदिति भाटिया के साथ उल्का गुप्ता और ऐश्वर्या ओझा मुख्य किरदार को निभाते नजर आएंगे। मूवी की कहानी मुख्य रूप से तीन ऐसी हिन्दू महिलाओं के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवारों के खिलाफ जाकर मुस्लिम पुरुषों से शादी करती हैं। इसके बाद उन्हें जबरन धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किया जाता है। फिल्म में अदिति ने दिव्या का किरदार निभाया है।

कृति सेनन से बेहतर होने की जंग में यामी गौतम की सफाई, कहा-

ऐसे पीआर हथकंडे नहीं अपनाती

सोशल मीडिया में इन दिनों 'बेस्ट एक्ट्रेस' अवॉर्ड को लेकर बहस तेज हो गई है। अभिनेत्री यामी गौतम और कृति सेनन के प्रशंसकों के बीच यह विवाद छिड़ गया है कि दोनों में से बेहतर अभिनेत्री कौन है। दिलचस्प बात यह है कि यह पूरा विवाद यामी गौतम द्वारा एक सोशल मीडिया पोस्ट को 'लाइक' करने के बाद शुरू हुआ। हालांकि, अब यामी गौतम ने इस मामले पर सफाई देते हुए कहा है कि उनका किसी भी अभिनेत्री को नीचा दिखाने का कोई इरादा नहीं था।

यामी गौतम ने अपने 'लाइक' को लेकर उठे विवाद पर प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि एक सेलिब्रिटी होने के कारण उन्हें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और कई बार यह स्पष्ट नहीं होता कि पोस्ट किसके संदर्भ में है।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, मुझे पता चला है कि मैंने एक ऐसी रील को 'लाइक' किया है, जिसे किसी अन्य कलाकार के प्रति अपमानजनक माना जा रहा है। हमें रोजाना कई पोस्ट में टैग किया जाता है और यह भी एक अवॉर्ड समारोह से जुड़ी किसी अन्य टैग की तरह ही दिखाई दिया। ऐसा बिल्कुल भी जानबूझकर नहीं किया गया था। संभव है कि यह गलती से क्लिक हो गया हो। यामी गौतम ने यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास कोई पीआर टीम नहीं है और उन्हें ऐसे 'घटिया पीआर हथकंडे' अपनाने नहीं आते।

दरअसल, जिस पोस्ट को यामी गौतम ने 'लाइक' किया था, उसमें एक तरफ कृति सेनन की तस्वीर और दूसरी तरफ यामी गौतम की तस्वीर लगाई गई थी। पोस्ट में कृति सेनन की तुलना में यामी गौतम को 'बेस्ट एक्ट्रेस' अवॉर्ड के लिए अधिक योग्य बताया गया था। गौरतलब है कि कृति सेनन को फिल्म 'तेरे इश्क में' के लिए 'बेस्ट एक्ट्रेस' का अवॉर्ड मिला था। इसी पोस्ट को लाइक किए जाने के बाद सोशल मीडिया पर बहस शुरू हो गई और दोनों अभिनेत्रियों के प्रशंसक आपस में भिड़ गए।

हालांकि, अब यामी गौतम ने अपने बयान के जरिए साफ कर दिया है कि यह सब अनजाने में हुआ और उनका किसी तरह का विवाद खड़ा करने का कोई इरादा नहीं था।

रश्मिका-विजय के रिसेप्शन में पहुंचीं नीना गुप्ता, फोटो शेयर कर दी शुभकामनाएं

सोशल मीडिया पर इस समय पावर कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा के हैदराबाद में हुए रिसेप्शन की खूबसूरत तस्वीरें छाई हुई हैं, जिसमें साउथ से लेकर बॉलीवुड इंडस्ट्री के कई दिग्गज एक्टर, एक्ट्रेस, डायरेक्टर, और नामी चेहरे ने स्टाइलिश अंदाज में सिरकत की। बीते बुधवार को रश्मिका और विजय के रिसेप्शन में पहुंचे सेलेब्रिटीज में एक नाम नीना गुप्ता का भी है, जो हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की एक शानदार अभिनेत्री, निर्देशक और निर्माता हैं। कपल के रिसेप्शन में अभिनेत्री अपने पति विवेक मिश्रा के साथ पहुंची। अभिनेत्री के बीते दिन की एक खूबसूरत तस्वीर को गुरुवार को अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। पोस्ट को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, आप दोनों और आपके परिवारों से मिलकर बहुत अच्छा लगा। आप सब बहुत ही मिलनसार, सम्मानजनक और प्यारे थे। भगवान आप दोनों को आशीर्वाद दें। नीना और विवेक की ओर से आपको दोनों को ढेर सारा प्यार।

रश्मिका और विजय के साथ नीना और उनके पति की खूबसूरत तस्वीर को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। पोस्ट पर कुछ ही घंटे में हजारों व्यूज और लाइक्स आ चुके हैं। वहीं, नीना के रिसेप्शन लुक की बात करें तो उन्होंने सफेद रंग की एक एलेगेंट सारी पहनी है, जिसपर गोल्डन प्रिंट हैं। कट स्लीव ब्लाउज में अभिनेत्री का लुक काफी शानदार लग रहा है। खुले बाल, लाइट मेकअप और गोल्डन ज्वैलरी से नीना के लुक की एलेगेंस काफी बढ़ जाती है। इसी के साथ अभिनेत्री ने हाथ में एक लाल रंग का बैग रखा हुआ है। वहीं, उनके पति विजय काले रंग के कोट और ब्राउन पैंट में उनको काफी कंप्लीमेंट कर रहे हैं।

रश्मिका और विजय के रिसेप्शन लुक की बात करें, तो अभिनेत्री ने प्लेन लाल रंग की साड़ी पहनी है, जिसका बॉर्डर भारी है। स्लीक बन, नेचुरल मेकअप, और गोल्डन ज्वेलरी के साथ उन्होंने अपनी रिसेप्शन लुक को पूरा किया है। वहीं, विजय पूरी तरह साउथ इंडियन लुक में नजर आ रहे हैं।

खास खबर

जिले के संजय डहरिया का यूपीएससी में हुआ चयन

रायपुर। चौबे कॉलानी में रहने वाले संजय के मकान में एक बड़ा अद्भुत क्षण था जब जिले के वरिष्ठ अधिकारियों की गाड़ी उनके मकान के सामने रूकी, कलेक्टर, नगर निगम आयुक्त और जिला पंचायत सीईओ ने उनके घर पहुंचकर उन्हें बधाई दी। संजय डहरिया का आज घोषित यूपीएससी परिणाम में उनका नाम शामिल है, उन्हें 946 रैंक प्राप्त हुई है। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह सहित अन्य अधिकारी ने शॉल और प्रेरणादायक पुस्तक से उनका सम्मान किया। कलेक्टर ने कहा कि संजय हमारे प्रदेश के गौरव हैं। जिन्होंने यूपीएससी जैसी प्रतिष्ठित एवं कठिन परीक्षा में चयनित होकर पूरे छत्तीसगढ़ सहित जिले का नाम रोशन किया। उल्लेखनीय है कि संजय डहरिया ने जिला प्रशासन के प्रोजेक्ट अनुभव के तहत मॉक इंटरव्यू की तैयारी की थी। इस पैनल में डॉ. गौरव सिंह सहित अन्य अधिकारी थे। संजय ने कहा कि प्रोजेक्ट अनुभव के लिए मैं मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन का धन्यवाद करता हूं।

पहले ही प्रयास में यूपीएससी में सफलता, कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने दी बधाई

धमतरी। देश की सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में धमतरी जिले के ग्राम परसवानी निवासी डायमंड सिंह ध्रुव ने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। आज घोषित परिणाम में उन्हें अखिल भारतीय स्तर पर 623वीं रैंक प्राप्त हुई है। उनकी इस उपलब्धि पर जिले में खुशी का माहौल है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने डायमंड सिंह ध्रुव को बधाई देते हुए कहा कि यह पूरे जिले के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि डायमंड सिंह ध्रुव की सफलता युवाओं के लिए प्रेरणादायक है। कलेक्टर मिश्रा ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी मेहनत, लगन और समर्पण से जिले के अन्य युवाओं को भी प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरणा मिलेगी। उल्लेखनीय है कि डायमंड सिंह ध्रुव वर्तमान में छत्तीसगढ़ पुलिस विभाग में डीएसपी के पद पर पदस्थ हैं।

विभिन्न बीमारियों का निःशुल्क उपचार और परामर्श शिविर कल

कोरबा। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस पतंजलि चिकित्सालय महानदी कॉम्प्लेक्स में 8 मार्च को निःशुल्क शिविर आयोजित है। यहां हीमोग्लोबिन, रक्तचाप जांच, रक्त शर्करा जांच, तथा महिलाओं एवं युवतियों के सभी सामान्य, साध्य, कष्टसाध्य, एवं असाध्य रोगों हेतु निशुल्क आयुर्वेद-योग, चिकित्सा परामर्श दिया जाएगा।
लायंस क्लब कोरबा एवरेस्ट, विश्व हिंदू परिषद एवं आयुष मेडिकल एसोसिएशन के संयुक्त तत्वाधान में कैम्प आयोजित है। प्रातः 10 बजे से मध्यान्ह 2 बजे तक शिविर में पतंजलि योगपीठ हरिद्वार से प्रशिक्षित चिकित्सिक नाड़ीवैद्या डॉ.वागेश्वरी शर्मा एवं डॉ नागेंद्र नारायण शर्मा चिकित्सकीय सेवायें देंगे। महिलाओं के लिये उपयोगी उनको ऊर्जा प्रदान करने वाला, उनकी कार्यक्षमता बढ़ाने वाला ऊर्जा क्वाथ निशुल्क पिलाया जायेगा।

होली पर किसानों के खातों में राशि अंतरण से दोगुनी हुई तिहार की खुशी : मुख्यमंत्री साय

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय शाम नगर निगम बिरगांव में आयोजित होली मिलन समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों को रंगों के इस पावन पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस वर्ष होली का उत्साह प्रदेश में और भी अधिक है, क्योंकि राज्य सरकार द्वारा अन्नदाता किसानों के खातों में धान उपार्जन के अंतर की राशि अंतरित की गई है। इससे किसानों के परिवारों में खुशी का माहौल है और त्यौहार की रौनक दोगुनी हो गई है। उन्होंने कहा कि किसान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समृद्धि ही राज्य की समृद्धि का आधार है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि होली का पर्व आपसी प्रेम, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का प्रतीक है। यह त्योहार समाज में एकता, समरसता और सकारात्मक ऊर्जा का संदेश देता है तथा लोगों को एक-दूसरे के और करीब लाने का अवसर प्रदान करता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मंशानुरूप प्रदेश में नक्सलवाद अब समाप्ति की ओर है और बस्तर अंचल में शांति और विकास का नया अध्याय शुरू हो रहा है। राज्य सरकार बस्तर सहित पूरे प्रदेश में शांति, विकास और खुशहाली के लिए निरंतर कार्य कर रही है। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ी सांस्कृतिक मंडली द्वारा प्रस्तुत मनमोहक फाग गीत का आनंद लिया।

सड़क निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा : मुख्यमंत्री

आधुनिक डिजाइन और तकनीक से हों शासकीय भवनों का निर्माण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश में सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि सड़क निर्माण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गुणवत्ताहीन कार्य को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि कहीं भी निर्माण कार्य में कमी पाई गई तो संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी और दोषी ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट किया जाएगा। मुख्यमंत्री साय ने यह निर्देश मंत्रालय महानदी भवन में लोक निर्माण विभाग के कार्यों और गतिविधियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान दिए। बैठक में उप मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री अरुण साव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों से कहा कि सड़क निर्माण के बाद निरीक्षण करने के बजाय निर्माण के दौरान ही नियमित रूप से फील्ड में जाकर गुणवत्ता की निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों का निर्माण केवल तकनीकी कार्य नहीं बल्कि आमजन की सुविधा से जुड़ा हुआ महत्वपूर्ण अधोसंरचनात्मक कार्य है और इससे सरकार की छवि भी बनती है। यदि सड़क बनने के कुछ वर्षों के भीतर ही खराब हो जाए तो इससे सरकार की विश्वसनीयता प्रभावित होती है।

बैठक में बागबहार कोतबा सड़क की खराब स्थिति पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि यह सड़क कुछ वर्ष पहले ही बनी थी, लेकिन उसकी स्थिति तेजी से खराब हो गई है। यदि सड़क चार वर्ष भी नहीं चले तो इसका कोई औचित्य नहीं रह जाता। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि इस सड़क के निर्माण में हुई कमियों की गंभीरता से जांच की जाए और भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा न हो इसके लिए निर्माण के दौरान ही गुणवत्ता की सख्त निगरानी की जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर सड़क निर्माण कार्य हो रहे हैं, लेकिन आमजन को इन कार्यों की जानकारी नहीं मिल पाती जिससे सकारात्मक नैरेटिव नहीं बनता। उन्होंने निर्देश दिए कि बड़ी सड़क परियोजनाओं के शिलान्यास और भूमिपूजन मुख्यमंत्री और मंत्रियों के हाथों से कराए जाएं तथा उन्हें व्यापक रूप से आमजन के सामने प्रस्तुत किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण के टेंडर जारी होने से लेकर कार्य आवंटन (अवॉर्ड) तक की पूरी प्रक्रिया के लिए स्पष्ट समय-सीमा तय की जाए। उन्होंने कहा कि कई ठेकेदार बहुत कम दर यानी बिलो रेट पर टेंडर प्राप्त कर लेते हैं, जिसके कारण कार्य समय पर और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा नहीं हो पाता। ऐसी स्थिति में संबंधित ठेकेदार की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। यदि ठेकेदार बिलो रेट पर टेंडर लेता है तो यह उसकी जिम्मेदारी होगी कि वह कार्य को निर्धारित गुणवत्ता और समय-सीमा में पूरा करे। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए स्पष्ट नियमावली तैयार करने की आवश्यकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अन्य राज्यों में लागू बेहतर व्यवस्थाओं का अध्ययन कर छत्तीसगढ़ में भी उपयुक्त प्रावधान लागू किए जाएं। साथ ही टेंडर और डीपीआर जैसे तकनीकी कार्यों के लिए एक अलग इकाई बनाने पर भी गंभीरता से विचार किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में लगभग 300 ऐसे गांव चिन्हित किए गए हैं, जहां बरसात के दौरान संपर्क पूरी तरह टूट जाता है। ऐसे गांवों तक पहुंचने के लिए लोगों को कई बार बीमार मरीजों को खाट में उठाकर ले जाना पड़ता है, जो अत्यंत चिंता का विषय है। खाद्य विभाग से प्राप्त सूची के आधार पर चिन्हित इन गांवों को सड़कों और पुल-पुलियों के माध्यम से जोड़ने का कार्य प्राथमिकता के साथ किया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने लैलूंगा कुंजारा तोलगेपहाड़ मिलूपारा तमनार मार्ग के निर्माण की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में बड़ी आबादी निवास करती है और यहां सड़क का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। इस मार्ग के कुछ हिस्से में वन स्वीकृति की आवश्यकता होगी, लेकिन शेष हिस्सों में निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किया जाए।

डिजिटल सेवाओं में छत्तीसगढ़ी की बढ़ती स्वीकार्यता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। डिजिटल सेवाओं के बढ़ते उपयोग के बीच प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं में मातृभाषा छत्तीसगढ़ी के प्रति विशेष लगाव दिखाई दे रहा है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की डिजिटल सेवाओं में बड़ी संख्या में उपभोक्ता अब छत्तीसगढ़ी भाषा में सूचना प्राप्त करना पसंद कर रहे हैं, जो स्थानीय भाषा के प्रति बढ़ते विश्वास और अपनत्व को दर्शाता है।

राजभाषा छत्तीसगढ़ी को डिजिटल युग में नई पहचान मिल रही है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज के मोर बिजली एप एवं एसएमएस सेवा में अब चार लाख से अधिक उपभोक्ताओं ने छत्तीसगढ़ी भाषा में सूचना प्राप्त करने का विकल्प चुना है। यह संख्या अंग्रेजी भाषा चुनने वाले उपभोक्ताओं से लगभग दस गुना अधिक है, जो प्रदेशवासियों के अपनी मातृभाषा के प्रति बढ़ते सम्मान और विश्वास को दर्शाती है।

ऊर्जा सचिव व छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन एवं जनरेशन कंपनी के अध्यक्ष डॉ. रोहित यादव ने कहा कि राजभाषा छत्तीसगढ़ी को बढ़ावा देना कंपनी की प्राथमिकता है। स्थानीय भाषा में सूचना उपलब्ध होने से उपभोक्ताओं तक संदेश अधिक स्पष्ट, सरल और प्रभावी ढंग से पहुँचता है। यह पहल प्रशासन और आम जनता के बीच संवाद को और सशक्त बना रही है।

प्रदेश के लगभग 39 लाख उपभोक्ताओं के मोबाइल नंबर एसएमएस सेवा से जुड़े हैं। इनमें से 34.7 लाख उपभोक्ताओं को हिन्दी, चार लाख से अधिक को छत्तीसगढ़ी तथा लगभग 35 हजार उपभोक्ताओं को अंग्रेजी में संदेश भेजे जा रहे हैं। इन संदेशों में बिजली बिल भुगतान, विद्युत आपूर्ति बाधित होने की सूचना सहित अन्य महत्वपूर्ण जानकारियाँ शामिल होती हैं।

पॉवर कंपनी के अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) उमेश कुमार मिश्रा ने बताया कि उपभोक्ता 1912 कॉल सेंटर पर संपर्क कर अथवा मोर बिजली एप के माध्यम से अपनी भाषा का विकल्प सरलता से बदल सकते हैं। कंपनी के इंजीनियरों द्वारा विकसित मोर बिजली एप को अब तक 30 लाख से अधिक उपभोक्ता डाउनलोड कर चुके हैं। गूगल प्ले स्टोर पर निःशुल्क उपलब्ध इस एप को उपभोक्ताओं ने 5 में से 4.4 स्टार की सराहनीय रेटिंग दी है।

नारायणपुर के सुदूर गांवों में पहुंच रही हैं स्वास्थ्य सेवाएं : 107 ग्रामीणों को मिला उपचार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नारायणपुर जिले के दूरस्थ क्षेत्रों में भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए ग्राम पंचायत घमंडी के आश्रित ग्राम जटवर में सुशासन एक्सप्रेस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान लगाए गए विशेष स्वास्थ्य जांच शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

शिविर में ग्राम पंचायत घमंडी के अंतर्गत आने वाले जटवर, घमंडी, कोगालीं, ओरछापार, कारकाबेड़ा, हिकोनार, गोडेलेमाका और वाडापेंदा जैसे गांवों के ग्रामीण शामिल हुए। दो दिनों तक चले इस शिविर में कुल 107 मरीजों का उपचार किया गया और उन्हें आवश्यक दवाइयों के साथ स्वास्थ्य संबंधी परामर्श भी दिया गया। स्वास्थ्य जांच के दौरान 84 लोगों की मलेरिया जांच की गई, जिनमें 15 मरीज पॉजिटिव पाए गए। इसके अलावा टीबी स्क्रीनिंग, रक्तचाप, शुगर, हीमोग्लोबिन और नेत्र जांच भी की गई। गर्भवती महिलाओं की विशेष एएनसी जांच कर उन्हें आवश्यक सलाह दी गई, जिससे मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

शिविर में मौसमी बीमारियों जैसे सर्दी-खांसी, बुखार, खुजली, दस्त, कमजोरी और दर्द से पीड़ित मरीजों को भी उपचार और आवश्यक दवाइयां प्रदान की गईं। साथ ही ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी गई और उन्हें अधिक से अधिक लाभ लेने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर 80 ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के तहत् आयुष्मान कार्ड भी वितरित किए गए। इस स्वास्थ्य शिविर में 10 सदस्यीय स्वास्थ्य टीम ने सेवाएं दीं, जिसमें डॉ. बृजनंदन बनपुरिया, राजीव सिंह, डॉ. हेमेंद्र जुरी, प्रदीप देवांगन, सूरज साहू, रामनाथ उसेंडी, जयसिंह मांझी, नकुल पोटाई, कमलेश कुमार नाग और कु. चंद्रिका गोटा शामिल थे। शिविर का संचालन उप स्वास्थ्य केंद्र वाडापेंदा के माध्यम से किया गया।

आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे का अनूठा संगम हेल्थ एटीएम का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बस्तर के विकास और जन-सुविधाओं की दिशा में शुक्रवार को नई शुरुआत हुई, जहाँ आधुनिक तकनीक और बुनियादी ढांचे का अनूठा संगम देखने को मिला। क्षेत्र के स्वास्थ्य परिदृश्य को पूरी तरह बदलने के उद्देश्य से बस्तर जिले में हेल्थ एटीएम सेवा का ऐतिहासिक शुभारंभ किया गया है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने भानपुरी स्थित सिविल अस्पताल में इस हाईटेक स्वास्थ्य सुविधा का लोकार्पण किया। इस अवसर पर बस्तर सांसद श्री महेश कश्यप तथा अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। उन्होंने क्षेत्रवासियों को 36.50 लाख रूपए के निर्माण कार्यों की सौगात देते हुए ग्राम राजपुर और खड़का में विभिन्न परियोजनाओं का भूमिपूजन किया।

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि यह हेल्थ एटीएम बस्तर के दूरस्थ अंचलों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है, क्योंकि अब ग्रामीणों को छोटी-बड़ी जांचों के लिए बड़े शहरों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। इस अत्याधुनिक मशीन के माध्यम से नागरिक ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी और ऑक्सीजन लेवल सहित 100 से अधिक प्रकार की स्वास्थ्य जांचें तत्काल करवा सकेंगे। उन्होंने कहा कि सबसे क्रांतिकारी पहलू यह है कि यह मशीन महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों की शुरुआती पहचान करने में सक्षम है, जिससे समय रहते उपचार संभव हो सकेगा। इसके साथ ही, टेलीमेडिसिन सुविधा के जरिए मरीज सीधे विशेषज्ञ डॉक्टरों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग पर परामर्श ले सकेंगे और उनकी पूरी मेडिकल रिपोर्ट मोबाइल ऐप पर डिजिटल रूप में सुरक्षित रहेगी। स्वास्थ्य क्षेत्र में इस डिजिटल क्रांति के साथ-साथ नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास का शंखनाद भी गूँजा।

कनेक्टिविटी को प्राथमिकता देते हुए वनमंत्री कश्यप ने सालेमेटा और राजपुर सरगीगुड़ा में नई सीसी सड़कों की आधारशिला रखी गई, जो ग्रामीणों को कीचड़ और दुर्गम रास्तों से स्थायी निजात दिलाएंगी। इसके अलावा तिरथा, सुधापाल और खड़का में नई पुलियों के निर्माण से मानसून के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या का समाधान होगा और ग्रामीण क्षेत्रों का संपर्क मुख्य मार्गों से बना रहेगा। सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के लिए घोटिया दुलारदई गुड़ी में एक नवीन सामुदायिक भवन के निर्माण का मार्ग भी प्रशस्त हुआ है। इन सभी विकास कार्यों और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के एकीकृत प्रयासों ने बस्तर में हर्ष और उत्साह का माहौल पैदा कर दिया है।

शासकीय स्कूलों के बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही विष्णु देव सरकार : मंत्री लखन लाल देवांगन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। शासकीय स्कूलों की बुनियादी सुविधाओं के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रहे कोरबा नगर विधायक एवं छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री लखन लाल देवांगन ने को 32 विद्यालयों में बालक बालिका शौचालय निर्माण और 21 विद्यालयों में किचन शेड निर्माण कार्य समेत 3.08 करोड़ के विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया।

कोरबा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत दर्री जोन के शासकीय स्कूल अगारखार के पास आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री लखन लाल देवांगन और महापौर संजू देवी राजपूत समेत अन्य अतिथि गणों ने विधिवत भूमिपुजन एवं शिलान्यास किया।

भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि, कैबिनेट मंत्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ और सुसज्जित करने की दिशा में निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उनके नेतृत्व में प्राथमिक से लेकर उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शैक्षणिक संस्थाओं में अधोसंरचना को उन्नत करने पर विशेष बल दिया जा रहा है। जिला खनिज न्यास मद से शासकीय स्कूलों के नवीन भवन निर्माण, बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय, किचन शेड, सुरक्षा हेतु बाउंड्रीवॉल का निर्माण तेजी से कराए जा रहे हैं।

इसी तरह इसी तरह कोसाबाड़ी जोन अंतर्गत सरस्वती शिशु मंदिर सीएसईबी कोरबा में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि सुशासन की सरकार में आज कोरबा नगर समेत जिले का सर्वांगीण विकास हो रहा है। जनता की अपेक्षा में खरा उतारते हुए उनकी हर मांग और जरूर को ध्यान में रखते हुए कार्य किए जा रहे हैं।

सरस्वती शिशु मंदिर, बच्चों के अंदर भारत और भारतीयता के प्रति, एक नागरिक के रूप में उन कर्तव्यों का बोध कराने, सुयोग्य नागरिक बनाने हेतु अपने राष्ट्रीय दायित्व का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन कर रहा है। यहां से निकले हुए छात्र आज जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में समाज को नेतृत्व देकर 'विकसित भारत' के संकल्प के साथ जुड़कर पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपना योगदान दे रहे हैं। मेरा सौभाग्य है कि मुझे विकास कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। स अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत ने कहा कि विष्णुदेव सरकार आज विकास के हर पैमाने पर 100 फीसदी खरा उतरते हुए कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के कुशल नेतृत्व और उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मार्गदर्शन में मूलभूत सुविधाओं सीसी रोड, नाली, पेयजल, सफाई, स्कूलों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों के नए भवन के निर्माण तेजी से हो रहे हैं।

रतनपुर बनेगा आधुनिक निर्माण का मॉडल : छत्तीसगढ़ के पहले डेमोंस्ट्रेशन हाउसिंग प्रोजेक्ट को मिली केंद्र की मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के अंतर्गत छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक और धार्मिक नगर रतनपुर को एक अभूतपूर्व सौगात प्राप्त हुई है। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्यमंत्री तथा बिलासपुर सांसद तोखन साहू के निरंतर प्रयासों से रतनपुर में प्रदेश के पहले आधुनिक तकनीक आधारित डेमोंस्ट्रेशन हाउसिंग प्रोजेक्ट (डीएचपी) को आधिकारिक मंजूरी दे दी गई है।

नई दिल्ली में आयोजित सेंट्रल सैंक्शनिंग एंड मॉनिटरिंग कमेटी (सीएसएमसी) की बैठक में इस महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए 13.12 करोड़ की केंद्रीय सहायता राशि स्वीकृत की गई है। यह परियोजना न केवल रतनपुर बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए आधुनिक और उन्नत निर्माण तकनीकों का एक जीवंत उदाहरण पेश करेगी।

यह परियोजना टेक्नोलॉजी एंड इनोवेटिव सब-मिशन (टीआईएसएम) के तहत विकसित की जा रही है, जो पूरी तरह से त्न+2 मॉडल पर आधारित होगी। इस आवासीय परिसर में प्रत्येक इकाई का कार्पेट एरिया 28.57 वर्गमीटर और प्लिंथ एरिया 42.79 वर्गमीटर निर्धारित किया गया है। बिल्डिंग मटेरियल्स एंड टेक्नोलॉजी प्रमोशन काउंसिल (बीएमटीपीसी) द्वारा तैयार इस प्रोजेक्ट की सबसे खास बात यह है कि इसे सामाजिक कल्याण गतिविधियों के लिए रेंटल मॉडल पर संचालित किया जाएगा। भवन के भीतर डाइनिंग रूम, किचन, कार्यालय कक्ष, मेडिकल रूम, केयरटेकर कक्ष और लॉन्ड्री जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही, सामाजिक मेल-मिलाप को बढ़ावा देने के लिए परिसर में एक विशाल सामुदायिक भवन का भी निर्माण किया जाएगा। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश के हर गरीब और जरूरतमंद परिवार को सम्मानजनक छत देने का संकल्प अब धरातल पर उतर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि रतनपुर का यह प्रोजेक्ट भविष्य में किफायती और गुणवत्तापूर्ण आवास निर्माण के लिए एक बेंचमार्क साबित होगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। गौरतलब है कि इस प्रोजेक्ट के साथ-साथ रतनपुर के शक्तिपीठ क्षेत्र का विकास और दो ऐतिहासिक तालाबों को अमृत सरोवर के रूप में पुनर्जीवित करने की योजना भी पाइपलाइन में है, जिससे इस प्राचीन नगरी का समग्र कायाकल्प सुनिश्चित होगा।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

19 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

कोरबा। जिले के बालको थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलगड़ी बस्ती में एक 19 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना होली से एक दिन पहले की बताई जा रही है। युवती की पहचान ललिता गभेल के रूप में हुई है, जो मानिकपुर स्थित एक निजी आयुष्मान अस्पताल में कार्यरत थी। जानकारी के अनुसार ललिता गभेल ड्यूटी से घर लौटने के बाद अपने परिवार के साथ होली खेली थी। इसके बाद अगले दिन वह कपड़े बदलने के बहाने अपने कमरे में चली गई। काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर परिजनों को संदेह हुआ। परिजनों ने दरवाजा तोड़कर देखा तो ललिता फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी। परिजनों ने तुरंत उसे नीचे उतारकर जीवित समझते हुए अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बताया जा रहा है कि ललिता अपने पिता जीवन गभेल की तीन संतानों में सबसे बड़ी थी। उसने 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद एक निजी कॉलेज में दाखिला लिया था और साथ ही निजी अस्पताल में काम भी कर रही थी। जिला अस्पताल चैकी प्रभारी विश्व नारायण चैहान ने मृतका के परिजनों के बयान दर्ज कर लिए हैं। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है, ताकि आत्महत्या के कारणों का पता लगाया जा सके।

साइबर सेल मनेन्द्रगढ़ ने 18 गुम मोबाइल फोन बरामद कर मालिकों को लौटाए

एमसीबी/मनेन्द्रगढ़। सरगुजा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक दीपक कुमार झा के निर्देश और पुलिस अधीक्षक रत्ना सिंह के मार्गदर्शन में साइबर सेल मनेन्द्रगढ़ द्वारा गुम हुए मोबाइल फोनों की खोज के लिये विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान 1 फरवरी 2026 से 28 फरवरी 2026 तक संचालित किया गया जिसमें साइबर टीम ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की। अभियान के दौरान साइबर सेल टीम ने तकनीकी संसाधनों और सूझबूझ का उपयोग करते हुए कुल 18 गुम मोबाइल फोन बरामद किये जिनकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख 57 हजार रुपये बताई गई है। बरामद किये गये सभी मोबाइल फोन को आवश्यक प्रक्रिया पूरी करते हुए उनके वास्तविक मालिकों को विधिवत सुपुर्द कर दिया गया है। अपने खोए हुए मोबाइल फोन वापस पाकर नागरिकों के चेहरे खुशी से खिल उठे। मोबाइल धारकों ने बताया कि उन्हें उम्मीद नहीं थी कि उनका गुम हुआ मोबाइल दोबारा मिल पायेगा लेकिन मनेन्द्रगढ़ पुलिस और साइबर सेल की तत्परता और तकनीकी प्रयासों से यह संभव हो सका।

पानी निकालते वक्त कुएं में गिरने से महिला की हुई मौत

कोरबा। पानी निकालते समय कुंए में गिरने से एक महिला की मौत हो गई। परिजनों द्वारा सूचना दिए जाने पर बालको पुलिस मर्ग कायम कर आगे की विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बालको नगर थाना अंतर्गत नेहरू नगर निवासी चंदा देवी शाह 38 वर्ष अपने घर से लगे आंगन में कुएं से रस्सी बाल्टी की सहारे पानी निकाल रही थी इस दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह कुएं में रस्सी बाल्टी समेत नीचे गिर गई। मां की पर मौजूद उनकी दो बेटियों ने इस घटना के बाद लोगों को आवाज दिया और चीख पुकार मचाने लगी। रिश्तेदार और पड़ोस में रहने वाले लोग दौडकर मौके पर पहुंचे और सीढ़ी के सहारे रस्सी से बांधकर नीचे उतरे और उसे किसी तरह बाहर निकाला गया उसे जिंदा समझ कर बालको अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलते हैं बालको थाना पुलिस मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद परिजनों का बयान दर्ज किया है।

धर्मांतरण को लेकर मारपीट, घर में तोड़फोड़, पुलिस के सामने पिटाई

पीड़ित पक्ष बोला- 112 के पायलट ने गुंडे बुलाकर पीटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में धर्मांतरण को लेकर बवाल हो गया। डायल-112 के पायलट पर धर्म परिवर्तन कराने का आरोप लगा है। यह भी आरोप है कि होली के दिन उसने कुछ लोगों के साथ मिलकर पड़ोस में रहने वाले परिवार के साथ मारपीट की और उनके घर में तोड़फोड़ की। मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र का है। मोहितराम खांडे अपने परिवार कुंदरा पारा में रहते है। पास में ही तोमन खांडे रहता है, जो डायल-112 के पायलट हैं। मोहितराम और तोमन आपस में रिश्तेदार भीं है। लेकिन तोमन ईसाई धर्म को मानता है। आरोप है कि तोमन खांडे मोहितराम के परिवार पर धर्म परिवर्तन कराने दबाव बना रहा था। विरोध करने पर उसने बाहर से गुंडे बुलाकर परिवार के साथ मारपीट की और घर में तोड़फोड़ की। जबकि तोमन ने आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। शुक्रवार को पीड़ित परिवार की महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शुक्रवार को एसएसपी कार्यालय पहुंचे। उन्होंने एसएसपी से सुरक्षा की मांग करते हुए मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की।

पीड़ितों का कहना है कि वे पिछले करीब 12 दिनों से डर के कारण अपने घर लौटने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे हैं। इधर, पुलिस का कहना है कि घटना के बाद पीड़ित थाने आए थे, लेकिन उस समय धर्मांतरण की कोई बात सामने नहीं

आई थी। उन्होंने जमीन विवाद होने की जानकारी दी थी। पुलिस के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच लंबे समय से रंजिश चल रही है।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, तोमन खांडे कुंदरा पारा में रहता है। वह पिछले 10-12 सालों से ईसाई धर्म को मान रहा है। मोहल्ले में ही रिश्तेदार मोहितराम खांडे अपने परिवार के साथ रहते हैं। आरोप है कि तोमन मोहितराम के परिवार पर ईसाई धर्म अपनाने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। तोमन पुलिस का डर दिखाकर धमकाता है और कहता है कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। मोहितराम के अनुसार, तोमन खांडे के घर में हर रविवार पादरी को बुलाकर धर्म प्रचार किया जाता है और आसपास के लोगों पर भी धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता है। इस विवाद को लेकर पहले भी कई बार मारपीट और धमकी की घटनाएं हो चुकी हैं, जिनकी शिकायत थाने में की जा चुकी है।

पीड़ित का दावा- घटना का वीडियो मौजूद

पीड़ित पक्ष का कहना है कि 15 फरवरी को तोमन अपने साथियों के साथ पहली बार धर्म परिवर्तन को लेकर दबाव बनाने पहुंचा था। जब इसका विरोध किया तो विवाद बढ़ गया और बात मारपीट के साथ ईंट-पत्थर चलने तक पहुंच गई। पीड़ितों का दावा है कि उस दिन की घटना का वीडियो भी उनके पास मौजूद है। आरोप है कि होली के दिन भी धर्म परिवर्तन करने को लेकर दबाया बनाया। विरोध करने पर मारपीट की। वहीं, शुक्रवार को पीड़ित परिवार न्याय की मांग लेकर एसपी कार्यालय पहुंचा और आवेदन देकर मामले की शिकायत की। जिस पर पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया।

आरोपों को बेबुनियाद बताया

तोमन खांडे ने लगाए गए आरोपों को बेबुनियाद बताया है। उनका कहना है कि जमीन से जुड़े पुराने विवाद के चलते मोहितराम खांडे और उनके परिजनों ने ही उनके घर में घुसकर तोड़फोड़ की। आरोप है कि उनके घर में रखे सामान को नुकसान पहुंचाया गया। नगदी और जेवर भी गायब हो गए, जिससे उन्हें करीब 80 से 90 हजार रुपए का नुकसान हुआ है। इस पूरे मामले में पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों की शिकायत पर काउंटर केस दर्ज कर लिया है। मामले की जांच की जा रहा है। जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

होली की खुशियों के बीच दरिंदगी, युवती से सामूहिक दुष्कर्म के सभी 5 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। जिले के केशकाल अनुविभाग अंतर्गत ईरागांव थाना क्षेत्र से एक मानवता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। होली के अगले दिन, यानी गुरुवार को एक 19 वर्षीय युवती के साथ पांच युवकों द्वारा सामूहिक दुष्कर्म (गैंगरेप) की वारदात को अंजाम दिया गया। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए घटना में शामिल सभी आरोपियों को अपनी हिरासत में ले लिया है।

रंग लगाने के बहाने घर में घुसे आरोपी: जानकारी के मुताबिक, घटना के समय पीड़िता अपने घर में अकेली थी। इसी का फायदा उठाते हुए गांव के ही पांच युवक रंग-गुलाल लगाने के बहाने उसके घर पहुंचे। घर में दाखिल होते ही आरोपियों ने युवती को जबरन एक कमरे में खींच लिया और बारी-बारी से उसके साथ अनाचार किया। वारदात के बाद पीड़िता ने साहस दिखाते हुए देर शाम ईरागांव थाने में आपबीती सुनाई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल प्राथमिकी दर्ज की और दबिश देकर सभी पांचों आरोपियों को दबोच लिया।

आरोपियों का विवरण: कुल गिरफ्तार: 5 आरोपी बालिग: 2 युवक नाबालिग: 3 किशोर

वर्तमान स्थिति पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आरोपियों के खिलाफ कड़ी कानूनी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। वर्तमान में पुलिस पकड़े गए युवकों से गहन पूछताछ कर रही है ताकि घटना की कड़ियों को पूरी तरह जोड़ा जा सके।

इस घटना ने इलाके में सुरक्षा व्यवस्था और सामाजिक नैतिकता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

चांपा में टांगी से जानलेवा हमला करने वाला आरोपी चंद घंटों में गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जाज़गीर। जिले में अपराध पर त्वरित कार्रवाई करते हुए चांपा पुलिस ने हत्या की नीयत से टांगी से हमला करने वाले आरोपी को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार आरोपी कीर्तन पटेल (32 वर्ष) निवासी कुरदा थाना चांपा, आहत सुखराम पटेल के घर के पास आकर गाली-गलौज कर रहा था। मना करने पर आरोपी आवेश में अपने घर गया और वहां से छोटी टांगी लेकर वापस आया। इसके बाद उसने आज तुझे जान से मार दूंगा कहते हुए सुखराम पटेल के सिर पर टांगी से प्राणघातक हमला कर दिया। हमले में सुखराम पटेल के सिर में गंभीर चोट आई, जिसके बाद उन्हें तत्काल इलाज के लिए बीडीएम हॉस्पिटल चांपा में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना पर थाना चांपा में अपराध क्रमांक 90/26 दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी कीर्तन पटेल की पतासाजी कर उसे हिरासत में लिया। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया और घटना में प्रयुक्त टांगी भी घर से बरामद कर ली गई। इसके बाद आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक वैष्णव के नेतृत्व में पुलिस टीम के अधिकारी-कर्मचारियों का सराहनीय योगदान रहा।

जांजगीर-चांपा में आदतन बदमाश पर बड़ी कार्रवाई, 1 साल के लिए जिला बदर

जांजगीर-चांपा। जिले में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और प्रशासन ने आदतन गुंडा बदमाश के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। बलौदा थाना क्षेत्र के सांतनु सांडे निवासी बिरगहनी को एक वर्ष के लिए जिला बदर कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार सांतनु सांडे के खिलाफ अलग-अलग धाराओं के तहत कुल 05 आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं, वहीं 12 मामलों में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जा चुकी है। उस पर लोगों को गाली-गलौज करना, जान से मारने की धमकी देना, मारपीट करना और लड़ाई-झगड़ा व बलवा जैसी घटनाओं में शामिल रहने के आरोप हैं। पुलिस का कहना है कि आरोपी की आक्रामक और दुस्साहसी प्रवृत्ति के कारण आम लोग उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने से भी कतराते थे। उसकी लगातार आपराधिक गतिविधियों को देखते हुए जांजगीर-चांपा पुलिस अधीक्षक ने मामले का विस्तृत प्रतिवेदन जिला प्रशासन को भेजा था। इसके बाद जांजगीर-चांपा जिला प्रशासन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 और 5 के तहत कार्रवाई करते हुए आरोपी को 01 वर्ष के लिए जिला बदर कर दिया गया है।

नाचने की बात को लेकर जानलेवा हमला, चार आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। होली पर्व के दौरान नाचने को लेकर हुए विवाद में एक युवक पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले चार आरोपियों को धरसींवा पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मामला ग्राम सांकरा का है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी मयंक साहू, निवासी ग्राम सांकरा थाना धरसींवा ने पुलिस चौकी सिलतरा/थाना धरसींवा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 04.03.2026 को होली त्यौहार के दौरान दोपहर लगभग 2 बजे वह अपने छोटे भाई शिखर साहू, चचेरे भाई दिपांशु साहू, मोहनिश साहू तथा गिरीराज साहू के साथ बजरंग चौक में होली खेल रहा था।

उसी समय गांव का हिम्मत मनहर अपने साथियों लोकेश्वर घृतलहरे, हरीश डहरिया एवं कोमल मनहर के साथ वहां आया और वे लोग भी उनके साथ नाचने लगे। नाचते समय उक्त लोग प्रार्थी के छोटे भाई शिखर साहू के साथ धक्का-मुक्की करने लगे जिस पर शिखर साहू ने उन्हें आराम से नाचने के लिए कहा, तो वे लोग विवाद करने लगे। तब प्रार्थी ने

सभी को समझा-बुझाकर वहां से भेज दिया।

शाम लगभग 5 बजे प्रार्थी का चचेरा भाई मोहनिश साहू आकर बताया कि हिम्मत मनहर अपने साथियों के साथ शिखर साहू के साथ मारपीट कर रहा है। प्रार्थी तुरंत मौके पर गया देखा कि लोकेश्वर घृतलहरे, हरीश डहरिया, कोमल मनहर, हिम्मत मनहर मिलकर शिखर साहू के साथ हाथ मुक्का से मारपीट कर रहे थे उसी समय हिम्मत मनहर अपने पैंट से चाकू निकालकर शिखर साहू के उपर वार किया तो शिखर साहू ने अपने हाथ से चाकू पकड़ लिया। प्रार्थी बीच बचाव करने लगा तो वे सभी मिलकर बोलने लगे आज जान से मारकर खत्म कर दो और लोकेश्वर घृतलहरे अपने जेब से एक चाकू निकालकर प्रार्थी पर वार किया और शिखर साहू को कोमल मनहर, हिम्मत मनहर, हरीश डहरिया दबोच लिये और लोकेश्वर घृतलहरे ने हत्या करने के लिये उसके दाये सीना में चाकू से वार किया तथा सभी मोटर सायकल में बैठकर भाग गये। प्रार्थी की रिर्पोट पर आरोपियों के विरूद्ध थाना धरसींवा में धारा 109(1), 3(5) बीएनएस 25, 27 आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध किया गया। घटना को पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा द्वारा गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण प्रशांत शुक्ला, नगर पुलिस अधीक्षक लम्बोदर पटेल एवं चौकी प्रभारी सिलतरा उपनिरीक्षक राजेन्द्र सिंह कंवर को जल्द से जल्द आरोपियों की पतासाजी कर गिरफ्तार करने निर्देशित किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन तथा चौकी प्रभारी सिलतरा के नेतृत्व में चौकी सिलतरा पुलिस की टीम द्वारा घटना के संबंध में प्रार्थी, उसके भाई सहित अन्य लोगों से विस्तृत पूछताछ कर आरोपियों की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया।

टीम के सदस्यों द्वारा आरोपियों के छिपने के हर संभावित ठिकानों में लगातार रेड कार्यवाही करते हुये प्रकरण में आरोपी लोकेश्वर उर्फ लुकेश्वर धृतलहरे, कोमल बंजारे, हिम्मत मनहर एवं हरीश डहरिया को पकड़कर पूछताछ करने पर आरोपियों द्वारा उक्त घटना को अंजाम देना स्वीकार किया।

महाराष्ट्र पासिंग कार से 112 किलोग्राम गांजा बरामद

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोंडागांव। कोंडागांव जिले की केशकाल पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के मामले में राजस्थान के एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से करीब 112.076 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत करीब 11 लाख 20 हजार 760 रुपये बताई जा रही है। इसके साथ ही तस्करी में इस्तेमाल की जा रही काले रंग की वोक्सवैगन कार (एमएच 02 बीआर 0045) को भी जब्त कर लिया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार जिले में अवैध गांजा, शराब तस्करी और असामाजिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए लगातार विशेष अभियान

चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत 5 मार्च 2026 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक काले रंग की वोक्सवैगन कार में अवैध गांजा छिपाकर ओडिशा से रायपुर की ओर जगदलपुर-केशकाल मार्ग से ले जाया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए केशकाल थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए थाना के सामने एक चेक पोस्ट (एमसीपी) स्थापित किया। पुलिस टीम वहां संदिग्ध वाहन का इंतजार करने लगी। कुछ समय बाद मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिये की कार वहां पहुंची। पुलिस ने वाहन को रोकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने वाहन को रोकने के बजाय तेज रफ्तार में कांकेर की ओर भगा दिया। कार चालक के भागने पर पुलिस टीम ने तत्काल शासकीय वाहन से उसका पीछा करना शुरू कर दिया।

भागते हुए वाहन को रोकने के लिए पुलिस ने आगे दादरगढ़ पुलिस सहायता केंद्र के पास बैरिकेडिंग लगा दी। आरोपी चालक ने बैरिकेडिंग को टक्कर मार दी, जिससे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर गया। इसके बाद चालक कार से कूदकर भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन पुलिस टीम ने घेराबंदी कर उसे मौके पर ही पकड़ लिया। पुलिस द्वारा पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना नाम शैतान सिंह गौर (28 वर्ष) बताया। वह राजस्थान राज्य के चित्तौड़गढ़ जिले के बैगुन तहसील स्थित मुरलिया गांव का निवासी है। पुलिस ने जब कार की तलाशी ली तो वाहन की डिक्की से भूरे रंग के सेलो टेप से पैक किए गए 27 पैकेट बरामद हुए। इन पैकेटों को खोलकर देखने पर उनमें कुल 112.076 किलोग्राम गांजा पाया गया। पुलिस ने गांजा और वाहन को जब्त कर लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि आरोपी ओडिशा से गांजा लाकर छत्तीसगढ़ के रास्ते अन्य राज्यों में सप्लाई करने की फिराक में था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस तस्करी नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

परीक्षा: गणित की परीक्षा में तीन नकल प्रकरण दर्ज

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा आयोजित हाई स्कू6ल सर्टिफिक्रेट मुख्य परीक्षा वर्ष-2026 आज कक्षा-10 वीं, की गणित की परीक्षा सूरजपुर जिले के निर्धारित 72 परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा शांतिपूर्ण सम्पन्न हुई। सूरजपुर जिले के निर्धारित 72 परिक्षा केन्द्रों में जिसमें कुल दर्ज परीक्षार्थियों की संख्या-10096 में से 9802 परिक्षार्थी उपस्थित थे। एवं 294 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। कलेक्टर सूरजपुर द्वारा गठित उड़नदस्ता दल शिवनारायण राठिया तहसीलदार भटगांव एवं सदस्यों द्वारा परीक्षा केन्द्र शासकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सलका में तीन नकल प्रकरण दर्ज किया गया। जिले एवं विकासखण्ड स्तर पर गठित उड़नदस्ता दल के द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

न्यायालय तहसीलदार भिलाई 03, जिला दुर्ग (छ.ग.)

-:0 प्रकाशन 0:-

रा.प्र.क्रं. 202603101600004 अ-19 (5)/2025-26

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सुचित किया जाता है कि आवेदक जिला पंजीयक दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.) के द्वारा मौजा ग्राम भिलाई 03, प.ह.नं.04, रा.नि.मं. भिलाई 03, तह भिलाई 03, जिला दुर्ग में तहसील कार्यालय मार्ग, नगर निगम भिलाई 03, चरोदा, के सामने स्थित शासकीय भूमि 366/98 रकबा 0.4050 हें. भूमि को नवीन उप पंजीयक कार्यालय भिलाई 03, के मॉडल ऑफिस निर्माण हेतु आवेदित भूमि आबंटित किये जाने आवेदन / पत्र कार्यालय कलेक्टर, दुर्ग द्वारा प्राप्त हुआ हैं।

उक्त संबध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को उजर दावा आपत्ति हो तो नियत दिनॉक 20.03.2026 को स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से लिखीत रूप में अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त समयावधि पश्चात आपकी आपत्ति स्वीकार्य नही की जायेंगी।

आज दिनाँक 03.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर / पद मुद्रा से फर्द उद्घोषणा जारी किया जाता हैं।

तहसीलदार

जी- 252607061/3 भिलाई 03, जिला दुर्ग

छत्तीसगढ़ शासन

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25 वर्षों का उत्सव वर्षों का संकल्प

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस-2026

के अवसर पर

छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान अंतर्गत

लखपति दीदी संवाद

07 मार्च 2026

दोपहर 2:00 बजे

सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम, रायपुर (छ.ग.)

संघर्ष से सम्मान तक, आगे बढ़ती बिहान की दीदियां

08 लाख
महिलाएं बनीं **लखपति दीदी**

10 लाख
अतिरिक्त महिलाओं को **लखपति दीदी** बनाने का लक्ष्य

₹05 करोड़ का **बजट प्रावधान**
लखपति दीदियों के व्यवसायिक अनुभव के विस्तार हेतु **लखपति दीदी भ्रमण योजना** की शुरुआत

2.8 लाख स्व-सहायता समूह और **30.85 लाख परिवार** बिहान मिशन से जुड़े

महिलाओं को **प्रशिक्षण एवं वित्तीय सहायता** से बनाया जा रहा आर्थिक रूप से **सशक्त**

महिला समूहों को उद्यम के लिए बेहतर जगह उपलब्ध कराने **368 महतारी सदनों** का हो रहा निर्माण

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

RO-47101/104

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950